MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-20 ❖ मुंबई ❖ रविवार 07 से 13 मई 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

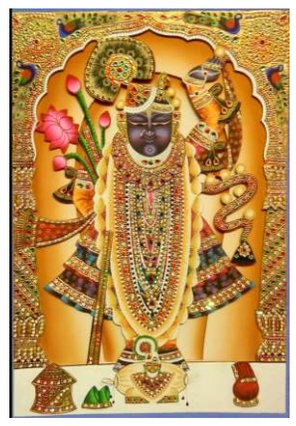

पेज 3

कर्नाटक में बीजेपी बनाएगी सरकार: फडणवीस

पेज 5

सीएम ने मानव-पशु संघर्ष के पीड़ितों के लिए मुआवजा राशि में वृद्धि की

पेज 7

पांच घंटे का सफर तय कर रकुल से मिलने पहुंचा उनका जबरा फैन

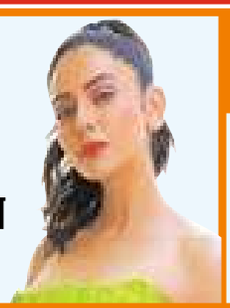

पेज 8

चीन ने निरस्त किया दो भारतीय पत्रकारों का वीजाये दोनों पत्रकार अनेक वर्षों से चीन में कार्यरत थे

एक नजर

चार बच्चों को लावारिस छोड़ माता-पिता गायब

इंदौर। इंदौर में एक दम्पति उनकी दो बेटियों समेत चार बच्चों को लावारिस छोड़कर गायब हो गए और उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी । संयोगितागंज पुलिस थाने के प्रभारी तहजीब काजी ने बताया कि चारों बच्चे शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय के सामने रविवार रात लावारिस हालत में बिलखते मिले। उन्होंने बताया कि इन बच्चों में दो वर्षीय बालक, चार वर्षीय बालक, छह वर्षीय बालिका और आठ वर्षीय बालिका शामिल हैं। थाना प्रभारी के मुताबिक, बच्चों ने पुलिस को बताया कि वे बड़वानी जिले के रहने वाले हैं और उनके माता-पिता यह कहकर उन्हें लावारिस छोड़ गए कि वे थोड़ी देर में खाना लेकर आते हैं।

पीएम ने गैस के रिसाव से हुई मौतों पर जताया दुख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के लुधियाना में कथित रूप से जहरीली गैस के रिसाव से कारण लोगों की मौत पर सोमवार को दुख जताया और मृतकों तथा घायलों के लिए अनुग्रह राशि की भी घोषणा की। लुधियाना के ग्यासपुरा इलाके में रविवार को जहरीली गैस के रिसाव से 11 लोगों की मौत हो गई थी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक ट्वीट में कहा, 'लुधियाना में गैस रिसाव के कारण हुई त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रत्येक घायल व्यक्ति को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।'

कुचल डाली 200-300 क्विंटल प्याज की फसल

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में एक किसान ने बेमौसम बारिश से हुए नुकसान से हताश होकर ट्रैक्टर से 200-300 क्विंटल प्याज को कुचल दिया और फिर उनका अंतिम संस्कार किया। सतना तालुका के डांगसौंदाने गांव निवासी किसान योगेश सोनवणे के इस कृत्य का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर कई बार पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि उचित एवं लाभकारी मूल्य का बात भूल जाइए, किसानों को बारिश के बाद फसल के परिवहन का खर्च भी नहीं मिल पा रहा है। इस महीने बरसात से महाराष्ट्र के कई क्षेत्र प्रभावित हुए हैं।

शरद पवार का इस्तीफा था स्क्रिप्टेड - देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कार्यकर्ताओं की मांग पर अध्यक्ष पद से भले ही अपना इस्तीफा वापस ले लिया है.लेकिन उनके इस्तीफे पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जोरदार तंज कसा है.शुक्रवार को कर्नाटक में चुनाव प्रचार के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए फडणवीस ने कहा कि राकांपा का यह अंदुरनी फ़िल्म है.उस फिल्म के कलाकार भी अंदुरनी है.उन्होंने कहा कि पवार का इस्तीफा पूरा स्क्रिप्टेड था.राकांपा का यह अंदरूनी फिल्म है जिसमें कलाकार भी अंदरूनी है.फडणवीस ने कहा कि वैसे तो राकांपा का यह अंतर्गत मामला है लेकिन पूरा स्क्रिप्टेड था. शरद पवार एक मजबूत नेता -संजय राउत संजय राउत ने कहा कि शरद पवार एक मजबूत और बड़े नेता है.पवार के इस्तीफा दिलाकर पार्टी को कमजोर करने की कोशिश की गई.जिस प्रकार शिवसेना को तोड़कर उध्दव ठाकरे (Uddhav Thackeray) को की गई है. राउत (Raut) ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को दबाने के लिए जांच एजेंसी का इस्तेमाल किया जा रहा है.इस संबंध में शरद पवार ने खुद गृहमंत्री अमित शाह को पत्र भी लिखा है.राउत ने कहा कि उनकी पार्टी के कुछ नेताओं पर दबाव बनाया जा रहा है।

मणिपुर हिंसा की भेंट चढ़ीं 54 जिंदगियां, IRS अफसर और CRPF कमांडो की भी हत्या

नई दिल्ली. मणिपुर के चूड़ाचांदपुर में उस समय चार लोगों की गोली लगने से मौत हो गई, जब सुरक्षा बल इलाके से मेइती लोगों को निकाल रहे थे. इस बीच एसोसिएशन ने कहा कि इंफाल में लेमिनथांग हाओकिप के रूप में पहचाने गए एक टैक्स असिस्टेंट की हत्या कर दी गई है. उन्होंने ट्वीट किया 'कोई कारण या विचारधारा कर्तव्य पर एक निर्दोष लोक सेवक की हत्या को सही नहीं ठहरा सकती.' अधिकारियों ने कहा कि मणिपुर हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 54 हो गई, हालांकि अनौपचारिक सूत्रों ने इस आंकड़े को कई अंकों में रखा. सीआरपीएफ के एक कोबरा कमांडो की भी हत्या चूड़ाचांदपुर में यह शूटिंग राज्य के बहुसंख्यक मेइती समुदाय और कुकी जनजाति के बीच भयंकर संघर्ष के दिनों के बाद हुई है, जो बुधवार को क्षेत्र

में उत्पन्न हुई थी. शूटिंग तब हुई जब आदिवासियों ने कथित तौर पर क्षेत्र से मेइती को निकालने में हस्तक्षेप करने की कोशिश की. चूड़ाचांदपुर निवासी और शोधकर्ता मुआन हंससिंह ने बताया कि कस्बे में अशांति शुक्रवार शाम करीब 7 बजे शुरू हुई. सीआरपीएफ के एक कोबरा कमांडो की भी उपद्रवियों ने गोली मारकर हत्या कर दी,

इसके बाद सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स ने आदेश जारी कर छुट्टी पर गए अपने जवानों से नजदीकी कैंप में रिपोर्ट करने के लिए कहा है. मुआन हंससिंह ने आगे बताया कि 'सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के कारण लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं. शाम करीब 7 बजे हमें सूचना मिली कि सुरक्षाकर्मी कस्बे में फंसे मेइती लोगों को निकालने जा रहे हैं. लोग (इस निकासी के विरोध में) शहर की मुख्य सड़क, तिदिम रोड पर सड़क बैरिकेडिंग करने के लिए लिए एकत्र हुए. हमने महिलाओं को बैरिकेड्स के सामने खड़ा कर दिया क्योंकि हमने सोचा था कि उन पर गोली नहीं चलाई जाएगी. लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने गोलियां चलाईं और चार लोगों की मौत हो गई.' इंफाल में असम राइफल्स के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें इनपुट मिला था कि '80 से 200 लोगों का जमावड़ा हुआ था और गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई.' उन्होंने आगे कहा 'राज्य के विभिन्न हिस्सों से लोगों को निकालने का काम लगातार जारी है. राज्य के विभिन्न हिस्सों में सड़कों को अवरुद्ध करना आम बात है.' केंद्रीय सुरक्षा बलों के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी चार लोगों के गोली लगने से मौत की पुष्टि की. लेकिन जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह संख्या तीन बताई.

योजना नहीं बदली होती तो अभी सेना में होता, शिंदे ने बताया अपने राजनीति करियर की कहानी

महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे ने बताया कि अगर उन्होंने ट्रेनिंग में जाते समय बीच में अपनी योजना नहीं बदली होती तो शायद वे अभी भारतीय सेना में सेवा दे रहे होते। 59 वर्षीय नेता पिछले साल ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने इस फैसले का बिलकुल भी अफसोस नहीं है। ट्रेनिंग के लिए लखनऊ जा रहे थे शिंदे महाराष्ट्र सीएम शिंदे का सेलेक्शन भारतीय सेना में हो गया था और उन्हें ट्रेनिंग के लिए लखनऊ जाना था। लखनऊ जाते समय उन्हें अपने दोस्त हरि परमार का एक निमंत्रण याद आया जिसके लिए उन्हें रोहतकक, हरियाणा जाना था। शिंदे ने अपना रास्ता बदला और दिल्ली से रोहतक पहुंचे। करीब तीन से चार दिन बाद वह रोहतक से ट्रेनिंग के लिए लखनऊ पहुंचे। वहां उन्हें बताया गया कि उनकी बस छूट गई है और उन्हें अब ट्रेनिंग के लिए नया वॉरंट लेकर आना होगा।

ट्रेनिंग छोड़ राजनीति से जुड़े शिंदे

शिंदे ने बताया कि जब वह मुंबई वापस आए तो यहां चारो तरफ दंगा फैला हुआ था। उन्होंने पूरा मामला वहीं छोड़ दिया और राजनीति की दुनिया में किस्मत आजमाने चले गए। शिंदे ने बताया कि रोहतक में शादी के दौरान एक मेहमान ने शादी में समारोह में आने की बात रखने और शामिल होने के लिए उनकी तारीफ की थी। पत्नी ने रखा सबका ध्यान शिंदे ने कहा कि अपने सामाजिक और राजनीतिक कार्यों में व्यस्त होने के कारण वह अपने परिवार को ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं।

उनकी पत्नी सबका ध्यान रखती है और सुनिश्चित किया कि उनका बेटा श्रीकांत शिंदे बड़ा होकर एक अच्छा डॉक्टर और राजनीतिज्ञ बने।

बता दें कि श्रीकांत शिंदे लोकसभा में कल्याण निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

शिंदे ने कहा कि उन्होंने भले ही भारतीय सेना में सेवा नहीं कर सके लेकिन वह एक शिव सैनिक है।

रिफाइनरी गुजरात ले जाओ और अच्छी परियोजनाओं को महाराष्ट्र लाओ, सरकार से ठाकरे ने की अपील

शिव सेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को तटीय रत्नागिरी जिले के बारसू के स्थानीय लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने तेल रिफाइनरी को गुजरात ले जाने और पड़ोसी राज्य से अच्छी परियोजनाओं को महाराष्ट्र लाने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार को किसी भी तरह का प्रोजेक्ट शुरू करने से पहले वहां के स्थानीय लोगों से बातचीत करना चाहिए। स्थानीय लोगों का एक वर्ग रिफाइनरी का विरोध कर रहा है। दरअसल, उन्हें लगता है कि यह तटीय कोंकण क्षेत्र की जैव विविधता पर प्रभाव डालने के साथ उसकी आजीविका को भी प्रभावित करेगा। ठाकरे ने कहा- "वेदांत-फॉक्सकॉन और टाटा-एयरबस चले गए हैं। अब इस परियोजना को गुजरात ले जाओ और पड़ोसी राज्य से अच्छी परियोजनाओं को महाराष्ट्र में लाओ।" ठाकरे ने कहा कि जब वह राज्य के सीएम थे तब इसी तरह का विरोध समृध्दि हाईवे बनाने के दौरान भी हुआ था। हमने उस समय प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और विकास को बिना नुकसान पहुंचाए हमने एक रास्ता निकाला था। इससे पहले, ठाकरे ने बारसू-सोलगांव क्षेत्र में एक रैली आयोजित करने की योजना बनाई थी लेकि उन्हें इसके लिए अनुमति नहीं मिली।

'गुजरात के बेटे' की तर्ज पर खरगे, 'कर्नाटक पुत्र' बन BJP सरकार की विदाई करा सकेंगे कांग्रेस प्रमुख!

कर्नाटक में मतदान के लिए अब केवल पांच दिन बचे हैं। सभी राजनीतिक दल, वोटरों को अपने पक्ष में करने के लिए ताबड़तोड़ रैलियां और रोड शो कर रहे हैं। भाजपा की तरफ से खुद पीएम नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार की कमान संभाले हैं, तो वहीं कांग्रेसी कुनबा भी अपने दल-बल सहित कर्नाटक के दंगल में उतरा है। खास बात ये है कि इस चुनाव में कांग्रेस नेता, भाजपा की चुनावी रणनीति की काट निकालने में जरा सी देर नहीं कर रहे। गुरुवार को शोरापुर की रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, बिल्कुल मोदी फॉर्मूले में ढलते हुए दिखाई पड़े। उन्होंने लोगों के सामने न केवल मोदी का नाम लिया, बल्कि ये कहते हुए नहीं झिझके कि मुझे भी उसी तरह वोट दो, जैसे गुजरात विधानसभा में लोगों ने मोदी को वोट दिया था। मोदी, जैसे गुजरात के बेटे हैं, वैसे ही मैं कर्नाटक का बेटा हूं। आप मुझे वोट दें। दूसरी ओर प्रियंका गांधी ने कनकगिरी

में लोगों से कहा, अर्जुन का ध्यान अपने निशाने से बिलकुल नहीं भटकता था। कर्नाटक के बहनों और भाइयों, इस चुनाव में आप 'अर्जुन' बन जाओ। कर्नाटक विधानसभा चुनाव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। वे खुद को लेकर लोगों के सामने कई बार भावनात्मक अपील कर चुके हैं। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का हवाला देते हुए कहा, महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, वल्लभभाई पटेल, अब्दुल कलाम आजाद और जगजीवन राम जैसे वरिष्ठ नेताओं ने इस पार्टी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। आज कर्नाटक के बेटे को कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष बनने का अवसर मिला है। प्रचार के दौरान खरगे ने खुल कर पीएम मोदी की चुनावी स्ट्रेटजी को फॉलो किया। शोरापुर की रैली में खरगे बोले, मैं विधानसभा चुनाव के दौरान गुजरात में था। तब गुजरात में मोदी कहा करते थे, मैं गुजरात का बेटा हूं, इसलिए मुझे वोट दें। यहां मेरी सरकार नहीं आई, तो देश में मेरी बेइज्जती होगी। गुजरात की जनता ने मोदी का समर्थन किया और भाजपा ने सरकार बनाई। मैं कर्नाटक का बेटा हूं।

शरद पवार ने खुद ही रचा इस्तीफे का प्लान, किसी को नहीं इसका भान!

मुंबई: देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह एनसीपी के अंदर की पिक्चर थी. कलाकार अंदर के थे. सारी स्क्रिप्ट अंदर ही लिखी गई. जब तक इस पिक्चर का कोई क्लाइमैक्स (climax of this picture) समझ नहीं आ रहा तब तक इस पर क्या प्रतिक्रिया दूं. पर अगर यह पिक्चर अंदरुनी थी तो बिना गब्बर के शोले कैसे बनी? रामगढ़ में कोई तो होगा जो बाहर से आया होगा, चलो गब्बर नहीं तो मोगेम्बो ही सही? लेकिन यहां गब्बर के आने से हुआ यही कि रामगढ़ वाले एक हो गए. महाविकास आघाड़ी की गाड़ी चल पड़ी. टूटने से बच गई एनसीपी. न आधे इधर, न आधे उधर थे- सारे के सारे वहां, शरद पवार जिधर थे अंजलि दमानिया की प्रतिक्रिया गौर करने वाली है. उनका कहना है कि अजित पवार (Ajit Pawar) और प्रफुल्ल पटेल (Praful Patel) बीजेपी में जाने वाले थे. शरद

पवार ने जो पिक्चर बनाई उस शोले का जो असरानी जेलर का किरदार है वो छोटे साहेब का है.याद कीजिए जब बड़े साहेब इस्तीफा दे रहे थे, तो छोटे साहेब अंग्रेजों के जमाने के जेलर की तरह सबको हांके जा रहे थे. उंगलियां नचा रहे थे. कह रहे थे- होता है जो, हो जाने दो, उस जेलर ने आज पीछे मुड़ कर देखा तो आधे ना इधर थे, ना आधे उधर थे. उनके पीछे तो बचा ही नहीं था कोई. सारे के सारे थे वहां, शरद पवार थे जहां. आज अजित पवार का साथ तो प्रफुल्ल भाई भी छोड़ गए. जो 53 चुने हुए हैं, सब हैं शरद पवार की कमाई; अजित पवार को याद आई? शरद पवार से कौन पंगा लेगा भाई. भूल गए? आज जो एनसीपी के 53 विधायक चुने गए हैं वे सब के सब शरद पवार की हैं कमाई. बाकी सारे तो इतने घोटाले कर चुके थे कि एनसीपी की लोकप्रियता खाई में समाई थी. तभी एक रैली में शरद पवार बारिश में भीग गए और इमोशनल माहौल बनाकर एनसीपी के ये तिरपन विधायक जीत गए. एक बार फिर पार्टी में बगावत की बू आने लगी थी. शरद पवार के कानों में एक धुन बजती जा रही थी- जूबी-डूबी-जूबी-डूबी पंपारा, खेल शिवसेना जैसा रचा जा रहा! पवार को समझ लिया था क्या कम? कूद पड़े वे कह कर, आ देखें जरा किसमें कितना है दम! पिछले चार दिनों में एनसीपी को उन्होंने एक बार फिर खाई से ऊंचाई पर ला खड़ा किया. देख कर उनका यह काम, सब कह रहे 82 साल के बुजुर्ग? या 28 साल के जवान! लीजिए फडणवीस जी, पिक्चर का क्लाइमैक्स खुल गया! गब्बर का पता चल गया

शरद पवार ने खुद इस्तीफे का ऐलान किया. किसी को नहीं इसका भान था. अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शरद पवार ने बताया कि उन्होंने सिर्फ अजित पवार से यह कहा था कि, 'मैं रिटायर होने की सोच रहा हूं.' इसके बाद शरद पवार ने वो कमेटी भी खुद कह कर बनवाई और कहा कि नया अध्यक्ष चुन लो भाई! सारे ऐसे-ऐसे लोग चुन कर कमेटी में थे जो या तो समझदार थे, या वफादार थे. राष्ट्रीय कार्यकारिणी का रोल भी अहम था. समिति में भी सिर्फ महाराष्ट्र के सदस्य ही नहीं थे. पी.सी.चाको, के.के.शर्मा, सोनिया दुहान, धीरज शर्मा, गुरजीत सिंह किर जैसे कई ऐसे नाम थे जिनमें से कोई दिल्ली का था, कोई गुड़गांव का, कोई यूपी का. इन नेताओं को अजित पवार से लेना-देना क्या? रही बात कमेटी के सदस्यों की, तो जयंत पाटील वफादार थे, प्रफुल्ल भाई समझदार थे. ऐसे ही वफादारों और समझदारों में एनसीपी बंट गए अजित पवार अकेले रह गए. लो, फडणवीस जी! पिक्चर का क्लाइमैक्स खुल गया. सुराग मिल गया.

मंडराया साइक्लोन मोचा...मुंबई-दिल्ली समेत कई राज्यों में बरसेंगे बादल, ओडिशा में अलर्ट!

नई दिल्ली. अप्रैल और मई में देश में अजीबोगरीब मौसम देखने को मिल रहा है.

गर्मी के मौसम में लोगों को ठंड का एहसास हो रहा है. इस बीच मौसमविभाग (IMD) ने कुछ राज्यों के लिए धूप वाले दिनों और अन्य के लिए भारी बारिश की भविष्यवाणी की है. दिल्ली और मुंबई दोनों राजधानी शहरों में आसमान में बादल छाए रहने और मध्यम बारिश होने की संभावना है. IMD ने कहा कि '8 मई के आसपास बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में एक चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है.' चक्रवाती तूफान का नाम मोचा है.

इससे पश्चिम बंगाल और ओडिशा भी प्रभावित होंगे. IMD के अनुसार रविवार से बुधवार तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारी बारिश की संभावना है. IMD ने बताया कि चक्रवात के दौरान आसपास के इलाकों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है. एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हवा की गति भी 70 को पार कर

सकती है. रिपोर्ट में कहा गया है कि हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है और 10 मई से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है.ओडिशा में अलर्ट जारी

ओडिशा सरकार ने चक्रवाती तूफान के पूर्वानुमान के मद्देनजर 18 तटीय और आसपास के जिलों के कलेक्टरों को किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है. मौसम कार्यालय ने कहा कि सोमवार को बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में इसके और तेज होने की संभावना है. इसके बाद इसके बंगाल की मध्य खाड़ी की ओर लगभग उत्तर की ओर और तेज होने की संभावना है. (IMD) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि 'रविवार को कम दबाव का क्षेत्र बनने के बाद सिस्टम की गति और अन्य मापदंडों का मार्ग प्रदान किया जा सकता है.' बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, कटक और पुरी सहित ओडिशा के कई जिलों के लिए आंधी-तूफान के साथ बारिश की येलो चेतावनी जारी की गई है. राज्य सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी में विशेष राहत आयुक्त सत्यव्रत साहू ने जिलों को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की सलाह दी है. लोगों से कहा गया कि वे मौसम पर नजर रखें और आंधी के दौरान सुरक्षित आश्रय लें, और शहरी क्षेत्रों में यातायात सलाह का पालन करें.

जांच में तेजी लाएं

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 23 अप्रैल से शुरू हुआ पहलवानों का दूसरे दौर का धरना खत्म होना तो दूर उलटे यह मामला और पेचीदा होता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में कोई और व्यवस्था दिए बगैर सुनवाई समाप्त कर दी। हालांकि इसे मामले के मेरिट पर किसी तरह की टिप्पणी नहीं माना जा सकता। इस बीच, बुधवार रात जंतर-मंतर पर हुई पुलिस के साथ पहलवानों की झड़प के बाद माहौल और गरमा गया है। वैसे, इस मामले में दोनों का अपना पक्ष है।

जहां पहलवानों की तरफ से मानवीय नजरिया अपनाते हुए कहा जा सकता है कि बारिश के चलते जमीन गीली होने के कारण रात में अगर उनके लिए फोल्डिंग खाट का इंतजाम किया जा रहा था तो यह कोई ऐसी बात नहीं थी जो समझी न जा सके। लेकिन पुलिस की यह बात भी सही है कि जंतर-मंतर कोई ऐसी जगह नहीं है जहां कोई भी, कभी भी मनमाने ढंग से कुछ भी ले आए। वहां धरने पर बैठे लोगों को एक अनुशासन में रहना पड़ता है। उन्हें जरूरी वस्तुओं की सूची पुलिस को देनी पड़ती है, उसकी इजाजत लेनी पड़ती है। ऐसे में रात-बिरात किसी खास राजनीतिक दल से जुड़ा कोई विधायक बिना इजाजत वहां फोल्डिंग खाट लेकर पहुंच जाए तो ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का उसे रोकना स्वाभाविक है। लेकिन फिर भी, इस मामले ने जितना अप्रिय मोड़ ले लिया, उसकी जरूरत नहीं थी। इसे बेहतर ढंग से निपटाया जा सकता था। दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप के बीच दिल्ली पुलिस ने मामले की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच की बात कही है, जिसका स्वागत होना चाहिए। बहरहाल, ज्यादा चिंता की बात यह है कि अपनी शिकायतों के साथ पहलवानों का धरना लगातार जारी है। इस गतिरोध को दूर करने के कोई गंभीर प्रयास होते नहीं दिख रहे। आरोपों के घेरे में आए कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष भी मीडिया में अपनी बात कह रहे हैं, जिसका उन्हें हक है। लेकिन इससे बात कुछ आगे नहीं बढ़ रही। मूल सवाल यह है ही नहीं कि कौन सी राजनीतिक ताकतें इस मामले का कैसे इस्तेमाल कर रही हैं और किसका क्या स्वार्थ सध रहा है। बड़ा सवाल यह है कि जो आरोप महिला पहलवानों ने लगाए हैं, उनमें कितनी सचाई है। और इसका जवाब दोनों तरफ के दावों-प्रति दावों से नहीं बल्कि जांच-पड़ताल से ही मिलेगा। ऐसी जांच रातों-रात नहीं हो सकती, उसमें वक्त लगेगा। लेकिन सभी संबंधित पक्षों को यह भरोसा होना चाहिए कि जांच के नाम पर लीपापोती नहीं होगी। इसी बिंदु पर कमी दिख रही है। पहलवानों को विश्वास दिलाने की कोई ठोस कोशिश भी नजर नहीं आ रही। बुधवार को भारतीय ओलिंपिक संघ की प्रमुख पीटी उषा का जंतर-मंतर पहुंचकर पहलवानों से मिलना जरूर एक पॉजिटिव कदम कहा जा सकता है। लेकिन यह काफी नहीं। आश्वस्त करने वाले ऐसे और कदमों के साथ-साथ जांच में भी तेजी लाने की जरूरत है।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री से होगी नई क्रांति, कैसे 21वीं सदी का 'कच्चा तेल' है कंप्यूटर चिप्स

भारत में इक्कीसवीं सदी की शुरुआत कुछ बड़े शहरों के किनारे वाले इलाकों में आई 'कॉल सेंटर क्रांति' से हुई थी। उस क्रांति को धूमिल पड़े कई साल गुजर चुके हैं। लेकिन आने वाले समय में हमें उसका दोहराव देखने को मिल सकता है। आउटसोर्सिंग से ही उपजी एक और तरह की क्रांति, और कुछ मायनों में आईटी सेक्टर से जुड़ी बड़े पैमाने की एक मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री देश का दरवाजा खटखटा रही है। शुरुआती हलचल ऐपल के गैजेट्स असेंबल करने वाली बड़ी ताइवानी इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग कंपनी फॉक्सकॉन की कर्नाटक और तेलंगाना की राज्य सरकारों से बातचीत अपने अंतिम चरण में है। उम्मीद की जा रही है कि दोनों में से किसी एक राज्य में यह साल बीतने तक उसका कारखाना खड़ा होने लगेगा।

हाल में वेदांता ग्रुप का बयान आया है कि 2023 की ही आखिरी तिमाही में वह संयुक्त उपक्रम के तहत अपना सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने की शुरुआत करेगा और 2027 तक इसमें कंप्यूटर चिप्स का उत्पादन शुरू हो जाएगा।

इस उद्योग को टैक्स छूट और अन्य रूपों में दस अरब डॉलर का इंसेंटिव देने की घोषणा भारत सरकार ने 2021 में की थी। इन हलचलों के पीछे इसकी विशेष भूमिका है। वेदांता और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, दोनों का कहना है कि वे भारत में ओसैट (आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट) के ठिकाने भी खड़े करेंगे। इसमें तैयार हालत में मंगाए गए कंप्यूटर चिप्स को उपकरणों में लगाकर उनकी टेस्टिंग की जाती है। ताइवान के अखबार बता रहे हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी TSMC या पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन की ओर से भी भारत में ओसैट कारोबार खड़ा करने की पहल हो सकती है। सस्ते तकनीकी श्रम के कारण हाल तक इस खास मिजाज की आउटसोर्सिंग में चीनियों का दबदबा था। फिर लगातार दो अमेरिकी राष्ट्रपतियों की कोशिश से चीन को सेमीकंडक्टर्स से जुड़े हर क्षेत्र में अलग-थलग कर दिए जाने के बाद भारत और वियतनाम ओसैट के धंधे पर अपनी दावेदारी जताने में जुट गए हैं।

अभी इलेक्ट्रॉनिक्स के दायरे में आने वाला ऐसा एक भी सामान खोजना मुश्किल है, जिसमें सेमीकंडक्टर्स की मुख्य भूमिका न हो। यह चीज वहां इंटीग्रेटेड सर्किट या चिप के रूप में मौजूद होती है। कंप्यूटरों की तो बात ही छोड़ें, मोबाइल फोन, टीवी, फ्रिज, एसी और थर्मामीटर तक में यह दिमाग जैसी भूमिका निभाती है। इमेज प्रॉसेसिंग से लेकर डेटा प्रॉसेसिंग और टेंप्रेचर कंट्रोल से लेकर सूचनाओं के साथ तरह-तरह के खिलवाड़ तक सारे काम सेमीकंडक्टर्स के ही सहारे होते हैं। इसके एक अकेले टुकड़े की भूमिका सिर्फ स्विच ऑन, स्विच ऑफ तक ही सीमित है। लेकिन अभी सेमीकंडक्टर्स का आकार छोटा होते-होते बाल की मोटाई के भी दस लाखवें हिस्से जितना हो गया है, लिहाजा ऐसे-ऐसे काम इनसे लिए जाने लगे हैं, जो पचीस साल पहले तक कल्पनातीत समझे जाते थे।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के ब्यौरों में जाएं तो इसकी नींव सिलिकॉन वेफर पर खड़ी है, जिसके प्रॉडक्शन में चीन का दबदबा है। इससे जुड़े दिमागी काम की शुरुआत दुनिया के अलग-अलग ठिकानों पर होती है। सबसे ऊपर है, नए माइक्रो प्रॉसेसर डिजाइन करना, जो इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के तहत आता है। अमेरिकी कंपनी इंटेल और ब्रिटिश कंपनी एआरएम इस क्षेत्र में छाई हुई हैं। दक्षिण कोरिया की सैमसंग का दबदबा डाइनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (ड्रैम) में कायम है। इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) बनाने में इन दोनों चीजों की अहम भूमिका होती है। चिप डिजाइनिंग, यानी सिलिकॉन वेफर पर सर्किट्स का खाका खींचने में अमेरिकी कंपनियों क्वालकॉम, ब्रॉडकॉम और एनविडिया का बोलबाला है। चिप्स को भौतिक रूप देने में ताइवानी कंपनी TSMC सबसे आगे है। वह सिलिकॉन वेफर्स पर सर्किट्स की छपाई करके चिप का नक्शा बनाती है, जिसकी तय जगहों पर माइक्रो प्रॉसेसर और ड्रैम चिपकाए जाते हैं। इसके लिए जिन लिथोग्राफी (छापा) मशीनों का इस्तेमाल होता है, वे लगभग सारी की सारी नीदरलैंड्स की कंपनी ASML होल्डिंग द्वारा बनाई जाती हैं। लिथोग्राफी के लिए स्याही के तौर पर काम आने वाला केमिकल ऑर्गन फ्लोराइड (आर्फी) सारा का सारा जापानी बनाते हैं। चिप बनकर तैयार हो जाए, फिर भी इसे सीधे काम में नहीं लाया जा सकता। दिमाग को कुछ करने के लिए एक शरीर भी चाहिए। शरीर, यानी चिप से चलने के लिए बनाया गया इलेक्ट्रॉनिक उपकरण। इसके लिए चिप को असेंबलिंग और टेस्टिंग के जिस चरण से गुजरना पड़ता है, उस 'ओसैट' का जिक्र ऊपर किया जा चुका है। भारत में बड़े पैमाने पर स्किल्ड रोजगार की उम्मीद फिलहाल ओसैट से ही है, बशर्ते चीन से विकसित देशों की सेटिंग कहीं दोबारा न बन जाए और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) कहीं ओसैट का किस्सा ही न खत्म कर दे। भारत में 2026 तक 80 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर मार्केट होने का अनुमान लगाया गया है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो चीन का सेमीकंडक्टर बाजार सन 2022 में ही 192.4 अरब डॉलर का आंका गया था। उसको निर्माण में अलग-थलग करने का नुकसान उसके बाजार से हाथ धो बैठने के रूप में उठाना पड़ा है। दुनिया में चोटी की दस चिप निर्माता कंपनियों की सम्मिलित मार्केट वर्थ नवंबर 2021 में 2.9 लाख करोड़ डॉलर मानी जाती थी, जो यूक्रेन में लड़ाई शुरू होने के बाद नवंबर 2022 में घटकर 1.9 लाख करोड़ डॉलर रह गई। रक्षात्मक रवैया जाहिर है, बहुत बड़ा औद्योगिक क्षेत्र होने के बावजूद सेमीकंडक्टर उद्योग का रवैया अभी रक्षात्मक है। ऐसे में भारत जैसे नए खिलाड़ी को कदम-कदम पर अड़चनों का सामना करना पड़ेगा। लेकिन यह भी कहा जा रहा है कि बीसवीं सदी के इतिहास में जैसी भूमिका कच्चे तेल ने निभाई थी, इक्कीसवीं सदी में वही सेमीकंडक्टर निभाने जा रहा है। धंधे में नरम-गरम चलता रहेगा, लेकिन एक बार इसमें पांव रख देने के बाद भारत को आगे ही बढ़ते जाना होगा।

कांतिलाल ऐ. पटेल

इस्तीफा देकर क्या पाना चाहते हैं पवार?

शरद पवार की एनसीपी अध्यक्ष पद छोड़ने की घोषणा से महाराष्ट्र की राजनीति में अचानक भूचाल आ गया। पिछले चार वर्षों से राज्य में एक के बाद एक राजनीतिक धमाके होते रहे, लेकिन उनके केंद्रबिंदु शरद पवार ही थे। उन्हें माइनस कर प्रदेश राजनीति की कल्पना करना संभव नहीं है। मास्टरस्ट्रोक लगाना उनकी खासियत रही है। उनके पिछले कुछ दांव देखें तो इस इस्तीफे का रहस्य समझना कुछ आसान हो सकता है।

बगावत और समझौता पवार ने 1978 में प्रदेश की पहली गैर-कांग्रेसी और मिली-जुली सरकार बनाई थी। तब आपातकाल के कारण कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया था और केंद्र में जनता पार्टी सत्ता में आ गई थी। पवार ने समय का संकेत समझकर बगावत कर दी और वसंत दादा पाटील जैसे दिग्गज की सरकार गिरा दी। उसके बाद जनता पार्टी के समर्थन से खुद मुख्यमंत्री बन गए। 1980 के चुनाव के दौरान उन्होंने समाजवादी कांग्रेस बनाई। लेकिन चुनाव के बाद कांग्रेस बहुमत में आई और अंतुले मुख्यमंत्री बन गए। कांग्रेस फिर से ताकतवर होती दिखाई दी। मौका देखकर 1987 में उन्होंने समाजवादी कांग्रेस का राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस में विलय कर दिया।

1999 में पवार ने कांग्रेस से फिर बगावत की। सोनिया गांधी के विदेशी मूल को मुद्दा बनाते हुए उन्होंने पीए संगमा और तारिक अनवर को साथ लेकर नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नाम से अलग दल बनाया। साफ है कि बगावत और संघर्ष पवार के राजनीतिक जीवन का अभिन्न अंग रहे हैं। वह चार बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने, लेकिन कभी पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। फिर भी प्रदेश राजनीति का सूत्र संचालन करते रहे। मौके के साथ रोटी पलटना उन्हें आता है। कुछ लोग इसे मौकापरस्ती कहते हैं। लेकिन, अवसर झपटना ही तो राजनीति होती है। सवाल यह है कि इस बार पार्टी से इस्तीफा देकर शरद पवार कौन सा अवसर झपटना चाहते हैं? दूसरा सवाल है कि क्या वह जनदबाव को देखते हुए अपना इस्तीफा वापस लेंगे? जवाब के रूप में कुछ संभावनाएं उभरती हैं। पहली, पवार कार्यकर्ताओं के प्रचंड दबाव का सम्मान कर इस्तीफा वापस ले लें। उन्होंने मंगलवार को अपनी राजनीतिक आत्मकथा 'लोक माझे

सांगाती' (मेरे संगी-साथी) के लोकार्पण समारोह में जैसे ही इस्तीफे की घोषणा की, सभी नेता-कार्यकर्ता सन्न रह गए। जयंत पाटील, जितेंद्र आव्हाड जैसे कई दिग्गज तो रोने लगे। धरना-अनशन शुरू हुआ। जिलों से पदाधिकारियों के इस्तीफों का दौर शुरू हो गया। भतीजे अजित पवार और बेटी सुप्रिया सुले के समझाने और दो-तीन दिन में अंतिम फैसला करने के शरद पवार के आश्वासन के बाद ही अनशन खत्म हुआ, इस्तीफों का दौर थमा। राज्य के लगभग सभी दलों के नेताओं ने भी पवार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। इन सबसे यह संभावना बनती है कि पवार अपना इस्तीफा वापस ले लें।

दूसरी, शरद पवार अपनी घोषणा पर अड़े रहें और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की समिति नए अध्यक्ष का चयन करे। अजित पवार और सुप्रिया सुले के नाम संभावित अध्यक्ष के रूप में चर्चा में हैं। लेकिन फिलहाल इन दोनों में से कोई नाम चुनना शायद राजनीतिक समझदारी न हो। इतना तय है कि जो भी नाम आएगा, वह शरद पवार की सलाह मानने वाला होगा। तीसरी, पवार ने राजनीतिक संन्यास लेने की घोषणा नहीं की है। वह राजनीति में रहेंगे ही, केवल पार्टी के अध्यक्ष नहीं होंगे। ऐसे में, पवार अध्यक्ष पद छोड़ें या न छोड़ें, पार्टी की कमान उनके ही हाथों में रहेगी।

शरद पवार इन बातों को नहीं जानते, ऐसा तो नहीं है। फिर उन्होंने अचानक इस्तीफा क्यों दिया? कहते हैं, पार्टी और परिवार में संभावित फूट को रोकने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। हो सकता है कि उन्हें अपने भतीजे अजित पवार को खास संदेश देना हो। पवार के इस दांव के कई अर्थ निकाले जा सकते हैं। अजित पवार के बारे में अफवाहों की बाढ़ आई हुई है। उन्होंने खुद ही कहा है कि वह मुख्यमंत्री बनना पसंद करेंगे। शिंदे गुट के 16 विधायक सुप्रीम कोर्ट से अयोग्य घोषित हो गए तो उस स्थिति में मुख्यमंत्री पद खाली हो सकता है; क्योंकि इन विधायकों में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी हैं। तब बीजेपी को सरकार बचाने के लिए अजित पवार की जरूरत होगी। अजित पहले की तरह अचानक पांसा बदल सकते हैं। इस अंदेशे के कारण सुप्रिया को पार्टी का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। सुप्रिया शरद पवार बेटी और अजित भतीजे हैं। इस तरह भाई-बहन में कलह हो सकती है। इससे बचने के लिए शरद पवार ने इस्तीफा दिया है। दूसरा तर्क यह है कि अजित की बगावत से पार्टी में बड़ी फूट हो सकती है। उस फूट को रोकने के लिए शरद पवार ने इस्तीफे का यह दांव चला है। 2024 के चुनावों के पूर्व नए समीकरण बनने के संकेत के रूप में भी शरद पवार के इस्तीफे को देखा जा रहा है। पार्टी के अध्यक्ष पद से मुक्त होने पर उन्हें अधिक समय मिलेगा और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष को संगठित करने में सहूलियत होगी।

पिछले वर्ष जब शरद पवार फिर से पार्टी अध्यक्ष चुने गए थे, तब अजित पवार वहां से तुरंत उठकर चल दिए थे। अजित की नाराजगी को तब अनदेखा कर दिया गया था। अब शरद पवार के अचानक पद छोड़ने का यह अर्थ भी लगाया जा रहा है कि अजित को लेकर कुछ गंभीर मंथन चल रहा है। अगला धमाका महाराष्ट्र में राजनीति इस समय इतनी अस्थिर है कि जितने मुंह उतनी बातें।

भूपत सांवलिया

बीजेपी के लिए कर्नाटक चुनाव क्यों हैं खास?

किरीट ए. चावड़ा

गृहयुद्ध से जूझ रहे अफ्रीकी देश सूडान में भारतीय विदेश मंत्रालय ऑपरेशन कावेरी के तहत एक बेहद साहसिक अभियान को अंजाम दे रहा है। सूडान में लगभग चार हजार भारतीयों के फंसे होने की आशंका है। इनमें से तीन हजार के करीब लोग जेद्दा पहुंचाए जा चुके हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अब तक लगभग 2300 लोग भारत लाए जा चुके हैं। युद्धग्रस्त इलाके में इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क की काफी दिक्कतें हैं। फिर भी भारतीय दूतावास ने किसी तरह से वहां फंसे हर भारतीय से संपर्क बना रखा है। सूडान में अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स और वहां की सेना आमने-सामने है। इस संघर्ष में अब तक 400 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और 2200 से अधिक घायल हैं। संघर्ष के केंद्र में दो जनरल हैं- सूडानी आर्म्ड फोर्स (FAS) के प्रमुख अब्देल फतह अल बुरहान और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (RSF) के लीडर मोहम्मद हमदान दगालो। एक समय दोनों ने मिलकर देश में तख्तापलट करने में अहम भूमिका निभाई थी। अब इन दोनों के झगड़े में ढेरों भारतीय ऐसी जगहों पर फंसे हैं, जहां रोजाना बमबारी हो रही है। हालांकि भारत सरकार ने 2011 में सूडान से सटे देश लीबिया में छिड़े ऐसे ही एक गृहयुद्ध से ऑपरेशन सेफ होमकमिंग के तहत 13 हजार से अधिक भारतीयों को निकाला था, पर इस बार का मिशन खासा मुश्किल है।

सूडान में लगभग एक हजार गुजराती हैं, जो पीढ़ियों से वहां व्यापार करते हैं। इसके अलावा पेट्रोलियम इंडस्ट्री में भी बड़ी संख्या में भारतीय हैं। कुल मिलाकर लगभग चार हजार भारतीय और भारतवंशी वहां रहते रहे हैं।

सूडान में 15 अप्रैल को छिड़े गृहयुद्ध के बाद वहां फंसे भारतीयों ने बचाने के लिए सोशल मीडिया पर ढेरों संदेश भेजे, पीएम मोदी को भी खूब टैग किया। उनकी गुहार का तुरंत संज्ञान लेते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने सूडान के करीबी देश सऊदी अरब की मदद लेने का फैसला किया।

भारत ने ऑपरेशन का नाम कावेरी इसलिए रखा, क्योंकि नदियां कैसे भी करके अपने गंतव्य तक पहुंचने का रास्ता बना ही लेती हैं।

सूडान पोर्ट और सऊदी अरब के जेद्दा के बीच पड़ता है लाल सागर। दोनों देशों के बीच पड़ने वाला यह समुद्र लगभग साढ़े तीन सौ किलोमीटर चौड़ा है। फंसे भारतीयों को अंत में यही दूरी पार करनी होती है।

सूडान पोर्ट से भारतीयों को भारतीय वायु सेना के परिवहन विमान और भारतीय नौसेना के जहाजों में सऊदी अरब के शहर जेद्दा ले जाया जा रहा है, जहां भारतीय वायुसेना ने अपना बेस बना लिया है।

जेद्दा से भारतीयों को ग्लोबमास्टर या भारतीय वायुसेना के विमान से घर वापस लाया जा रहा है। कुछ प्राइवेट एयरलाइंस भी इस ऑपरेशन में मदद कर रही हैं।

अभी भी भारत को सूडान से लगभग डेढ़ हजार लोग निकालने हैं। विदेश मंत्रालय ने इसके लिए कोई समय सीमा तय नहीं की है लेकिन माना जा रहा है कि हफ्ते भर में सबको वापस ले आया जाएगा।

बहरहाल, ऑपरेशन कावेरी बताता है कि भारत ने अपने मजबूत कूटनीतिक संबंधों की बदौलत वर्ल्ड लेवल पर एक लंबी लकीर खींची है। याद करें ऑपरेशन गंगा, जिसमें भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे हजारों भारतीय छात्रों को सफलतापूर्वक निकाला था। यह भारत की कूटनीतिक सफलता ही थी कि इस काम में उसका सहयोग यूक्रेन और रूस, दोनों ने किया। ऐसे ही अफगानिस्तान से भारतीयों को वापस लाने के लिए जब ऑपरेशन देवी शक्ति चलाया गया था, तब तालिबान सरकार ने पड़ोसी पाकिस्तान से अधिक भारत में अपना विश्वास दिखाया था। इन सबके बाद अब ऑपरेशन कावेरी ने इस धारणा को और मजबूती दी है कि भारत अपने लोगों को मुसीबत में कभी अकेला नहीं छोड़ता।

कर्नाटक में बीजेपी बनाएगी सरकार: फडणवीस

मुंबई। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस वक्त पड़ोसी राज्य कर्नाटक में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। बेलगाम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बजरंग दल जैसे देशभक्त संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग करना एक प्रकार से देशद्रोहियों का साथ देने जैसा है।

उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक में फिर से बीजेपी की सरकार बनेगी। साथ ही उन्होंने संजय राऊत (Sanjay Raut) पर कांग्रेसी की दलाली करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा एक राष्ट्रीय पार्टी है। मैं इससे पहले लोकसभा चुनाव में प्रचार करने बेलगाम आया था। विलासराव देशमुख (Vilasrao Deshmukh) जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे, तब कर्नाटक के प्रभारी थे। वे हर जगह घूम भी चुके हैं। मैं खुद मराठी भाषियों के पीछे खड़ा हूं और हमारी पार्टी भी मजबूती से खड़ी है। अगर संजय राऊत कांग्रेस की दलाली करना बंद कर देते तो मुझे कर्नाटक जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। कांग्रेस संजय राऊत के गुट की सहयोगी है। उन्होंने अपने सहयोगियों को यह नहीं बताया कि कहां प्रचार करना है और कहां नहीं, क्योंकि वे यहां कांग्रेसी की दलाली के लिए आए थे। बेलगाम में मराठी भाषा के लोगों की अच्छी खासी आबादी है। यह भाषा दशकों से दो पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच विवाद का कारण रहा है। साल 1960 के दशक में भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद से विवाद रहा है। राऊत कई बार फडणवीस को दक्षिणी राज्य के बेलागवी-कारवार (Belagavi-Karwar) इलाकों में मराठी भाषी लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने वाली संस्था महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) का समर्थन करने की चुनौती दे चुके हैं। साथ ही भाजपा पर संगठन को कमजोर करने का आरोप लगाया। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव 10 मई को होंगे। कर्नाटक में चुनाव प्रचार के लिए उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना की ओर से बेलागवी-कारवार इलाके में पहुंचे सांसद संजय राऊत ने बुधवार को भाजपा पर जमकर हमला किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में धांधली कर चुनाव जीतती है। पार्टी को कोई जनसमर्थन हासिल नहीं है।

पवार ने इस्तीफा वापस लेने के दिए संकेत

मुंबई। एनसीपी के वरिष्ठ नेता शरद पवार ने पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा वापस लेने का संकेत देते हुए कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सभी की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए और बाहर से आए सहयोगियों को विश्वास में लेकर अगले एक-दो दिनों में अंतिम फैसला लिया जाएगा। यह भूमिका लेते हुए कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। अगले दो दिनों के बाद आपको ऐसा बैठना नहीं पड़ेगा। पवार की इस भूमिका का कार्यकर्ताओं ने ताली बजाकर स्वागत किया। हालांकि पवार की चौंकाने वाली रणनीति को देखते हुए यह देखने की उत्सुकता बनी हुई है कि वह वास्तव में क्या फैसला लेते हैं। शरद पवार ने अपनी राजनीतिक आत्मकथा "लोक माझ्या सांगाती" के विमोचन अवसर पर पार्टी अध्यक्ष से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। उनके इस ऐलान से एनपीसी नेताओं और पदाधिकारियों में हड़कंप मच गया और पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनसे इस्तीफा वापस लेने का अनुरोध करने लगे। इस्तीफा वापस लेने की मांग को लेकर राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान (Yashwantrao Chavan Foundation) के बाहर बैठ गए। गुरुवार को शरद पवार ने इन कार्यकर्ताओं से बातचीत की। पवार ने कहा कि इस्तीफा देने से पहले मैंने आपसे चर्चा की होती तो मुझे यकीन है कि आप मुझे हां नहीं कहते। इस फैसले को लेकर शुक्रवार को बैठक होगी। इसके बाद एक-दो दिनों में अंतिम फैसला लूंगा। पवार ने कार्यकर्ताओं से कहा कि दो दिन बाद आपको ऐसे नहीं बैठना पड़ेगा। इस तरह का फैसला लेने से पहले सहकर्मियों से चर्चा जरूरी है। आपको विश्वास में लेकर निर्णय लेने की आवश्यकता थी, लेकिन उस समय मैंने आपको विश्वास में नहीं लिया। इसके पीछे मेरी मंशा क्या थी? मैंने आपको यह बताया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के लोगों की तीव्र भावना मुझे दिख रही है और मैंने यह फैसला केवल पार्टी के भविष्य के लिए, एक नया नेतृत्व तैयार करने के लिए लिया है।

अफसरों से मारपीट में पूर्व मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी

मेदिनीनगर। झारखंड में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दूबे समेत दस लोगों के खिलाफ बृहस्पतिवार को पलामू जिले के नावाबाजार थाने में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारी ने गाली-गलौज एवं मारपीट करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। विश्रामपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरजीत कुमार ने बताया कि एनएचएआई के प्रोजेक्ट प्रभारी एवं अभियंता पार्थ घोष ने इस मामले में शिकायत दी थी। कुमार ने बताया कि शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद कल शाम पूर्व मंत्री दूबे और उनके अन्य साथियों द्वारा एनएचएआई के पडवा कैम्प ऑफिस में धावा बोलने तथा गाली गलौज के साथ मारपीट करने को लेकर कल शाम प्राथमिकी दर्ज की गई।

कर्नाटक में चुनावी रैली को संबोधित करेंगी सोनिया

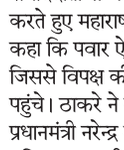

बेंगलुरु। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी शनिवार को हुबली में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगी। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए यह उनकी पहली रैली होगी। हुबली-धारवाड़ सेंट्रल में कांग्रेस के उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर हैं। विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से टिकट नहीं दिए जाने के बाद शेट्टर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इस सीट के लिए भाजपा की ओर से महेश तेंगिनकाई मैदान में हैं।

राकांपा घटनाक्रम का एमवीए गठबंधन पर प्रभाव नहीं : उद्धव

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार के पार्टी प्रमुख का पद छोड़ने के फैसले से महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पवार ऐसा कुछ नहीं करेंगे जिससे विपक्ष की एकता को नुकसान पहुंचे। ठाकरे ने यह भी कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नहीं बल्कि तानाशाही के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, 'राकांपा के घटनाक्रम का एमवीए गठबंधन पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।' हालांकि, ठाकरे ने पवार के पार्टी प्रमुख का पद छोड़ने के फैसले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

बजरंग दल ने कांग्रेस कार्यालय में की तोड़फोड़

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस कार्यालय में तोड़फोड़ की। इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। कांग्रेस ने 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को जारी अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा कि जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच 'नफरत फैलाने' वाले बजरंग दल और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) जैसे व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ ''कड़ी और निर्णायक कार्रवाई'' करने को प्रतिबद्ध है। इसमें कहा गया है कि कार्रवाई में ऐसे संगठनों के खिलाफ 'प्रतिबंध' भी शामिल होगा। इस घोषणापत्र का संघ परिवार ने कड़ा विरोध किया था।

भारतीय हिन्दू सेना मुंबई में भारी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग हुए शामिल

मुम्बई। भारतीय हिन्दू सेना महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रमोद सिंह की उपस्थिति में मुंबई के कांदिवली पश्चिम कार्यालय में हाकिम अंसारी के साथ भारी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुये। यह सभी लोग मालवणी क्षेत्र के निवासी बताये जा रहे हैं।महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रमोद सिंह ने हकीम अंसारी को भारतीय हिन्दू अल्पसंख्यक सेना का उत्तर मुंबई जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है।इस कार्यक्रम में उत्तर मुंबई जिला के अध्यक्ष राजेश यादव, उत्तर मुंबई जिला के उपाध्यक्ष भूपेंद्र पाटिल, अंधेरी विधानसभा महिला अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी कलहोत्रा, उत्तर पश्चिम जिला के उपाध्यक्ष श्यामजी कलहोत्रा, पालघर जिला के कार्याध्यक्ष अभिषेक सिंह और सैकडों की तादाद में लोग उपस्थित थे। सभी लोग एकजुट होकर जय भारतीय हिन्दू सेना और जय महाराष्ट्र के नारे लगाए। नवनिर्वाचित भारतीय हिन्दू अल्पसंख्यक सेना के उत्तर मुंबई जिलाध्यक्ष हकिम अंसारी ने अपनी नियुक्ति होने पर खुशी जताते हुए मीडिया से रूबरू होकर बोले कि हिन्दुस्तान में रहकर हिन्दू पार्टी का जय- जयकार नहीं बोला जायेगा तो क्या पाकिस्तान में जय जयकार बोला जायेगा।आगे हाकिम अंसारी ने कहा कि मैं मरते दम तक भारतीय हिन्दू सेना का साथ नहीं छोडूंगा, और भारतीय हिन्दू सेना का मुंबई एवं महाराष्ट्र प्रदेश में परचम लहराने में कोई कसर नहीं छोडूंगा। समाज मे दबे कुचले लोगों की आवाज बुलंद करूंगा।

'मैं पीएम मोदी का विरोधी नहीं, लेकिन...'
एनसीपी में खटपट के बीच बोले उद्धव ठाकरे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की सियासत में बीते कुछ दिनों से काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। हाल ही में एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार (Sharad Pawar) ने इस्तीफे का एलान किया और अब शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे (Uddhav Thackeray) ने बड़ा बयान दिया है। पीएम मोदी का विरोधी नहीं: उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने पीएम मोदी (PM Modi) को लेकर बड़ा बयान दिया है। उद्धव ने कहा कि मैं पीएम मोदी का विरोधी नहीं हूं, लेकिन तानाशाही का विरोध करता हूं। उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि एनसीपी में जो कुछ भी चल रहा है, उसका असर महाविकास आघाड़ी गठबंधन पर नहीं पड़ेगा। शरद पवार से इस्तीफा वापस लेने की मांग: एनसीपी प्रवक्ता एनसीपी प्रवक्ता महेश तापसे (Mahesh Taapsee) ने कहा कि शरद पवार द्वारा गठित समिति उनसे पार्टी प्रमुख के रूप में अपना इस्तीफा वापस लेने का आग्रह करेगी। तापसे ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी कार्यकर्ता नहीं चाहते कि पवार पद छोड़ें। 'सामना' के दावों का खंडन एनसीपी प्रवक्ता ने 'सामना' में छपे संपादकीय के दावों का भी खंडन किया और कहा कि पार्टी एकजुट है। तापसे ने कहा, 'पूरी एनसीपी एकजुट है। महाविकास आघाड़ी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने के लिए भाजपा के खिलाफ उम्मीदवारों को खड़ा करना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) ने क्या दावा किया है? 'सामना' में लिखा है कि शरद पवार द्वारा इस्तीफे का एलान करते ही कई नेताओं के आंसू छलक पड़े, रोने-धोने लगे। पवार के चरणों पर नतमस्तक हो गए, लेकिन इनमें से कइयों के एक पैर भाजपा में हैं और पार्टी को इस तरह से टूटते देखने की बजाय सम्मान से सेवानिवृत्ति ले ली जाए, ऐसा सेकुलर विचार पवार के मन में आया होगा तो उसमें गलत नहीं है। एनसीपी का एक गुट भाजपा की दहलीज पर पहुंच गया है और राज्य की राजनीति में कभी भी कोई भूकंप आ सकता है, ऐसे माहौल में पवार ने इस्तीफा देकर हलचल मचा दी।

गड्ढे भरने के लिए मनपा ने निकाली निविदा

मुंबई। मानसून पूर्व सड़क पर बनने वाले गड्ढों (potholes) को भरने के लिए मनपा ने सीमेंट कंक्रीट (cement concrete) और डाबर की सड़को पर बने वाले गड्ढों के लिए दो अलग अलग तकनीक से गड्ढे भरने का निर्णय लिया। सीमेंट कंक्रीट से गड्ढे भरने के लिए मनपा ने 125 करोड़ का पहले ठेका दिया। डाबर की सड़को के गड्ढे भरने के लिए निकाली गई निविदा में मात्र तीनो ठेकेदार आए। तीनो ही ठेकेदार ने मनपा के तय कीमत से 24 प्रतिशत अधिक दर का ठेका भरा जिसको लेकर टेंडर प्रक्रिया में मिलीभगत होने का आरोप लग रहा है।मनपा में ठेकेदारों पर इस तरह का आरोप लगना कोई नया नहीं है लेकिन मनपा अधिकारी ठेकेदारों (contractors) पर कोई कार्रवाई करने से बचते है और ठेका दे देते है। मनपा विरोधी पक्ष नेता रहे रविराजा ने आरोप लगाया कि ठेकेदारों की जेब भरने के लिए इतना बड़ा ठेका दिया जा रहा है और ठेकेदार मनमानी कर मनपा की तिजोरी खाली कर रहें है। बता दे की मनपा प्रशासन ने राज्य में शिवसेना भाजपा के सरकार आन एक बाद सड़क पर विशेष ध्यान दिया है।मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (Eknath Shinde) ने पिछले मानसून के दौरान ही कहा था कि सड़क को जल्द से जल्द सीमेंट कांक्रीट करने को कहा था। मनपा ने इस पिछले आठ महीनों में 700 किमी सड़क को सीमेंट कंक्रीट करने का ठेका दिया।जनवरी महीने में 397 किमी सड़क को सीमेंट कंक्रीट करने के लिए 6000 करोड़ का ठेका दिया गया। इसके अलावा इस साल मानसून के दौरान सड़क पर पड़ने वाले गड्ढों को भरने के लिए 125 125 करोड़ का ठेका सीमेंट कंक्रीट और डांबर की सड़क का अलग अलग ठेका दिया गया। डांबर की सड़क के गड्ढे भरने के लिए रिएक्टिव कोलतार से गड्ढे भरने के लिए ठेकेदारों ने मनपा की तय कीमत से 24 प्रतिशत अधिक का ठेका भरा है

फिल्म निर्देशक नभ कुमार के जन्मदिन पार्टी में हास्य कलाकार श्रवण कुमार ने किया मनोरंजन

मुम्बई। गोविंदा और सलमान ख़ान अभिनीत फिल्मों के निर्देशक व सह निर्देशन करने वाले बॉलीवुड फिल्म निर्देशक नभ कुमार को हास्य कलाकार श्रवण कुमार ने अपनी हास्य कला से खूब हंसाया और नचाया भी। बात फिल्म निर्देशक नभ कुमार के जन्मदिन व होली रिवर इंटरनेशनल एक्टिंग स्कूल वर्सोवा अंधेरी प. के प्रथम वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम की है जहां कॉमेडियन श्रवण कुमार ने अपनी हास्यकला से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में तमाम समाजसेवी व श्रोताओं में बालीवुड जगत की बहुत सी हस्तियाँ भी शामिल रही, जिसमें विशेष तौर परफिल्म निर्माता गिरीश वानखेड़े, लीजेंडरी म्यूजिक कंपोजर उत्तम सिंह, क्लासीकल हीरोइन वहाब, साहिला चड्ढा, अभिनेता राकेश श्रीवास्तव का नाम उल्लेखनीय है। सभी लोगों द्वारा श्रवण कुमार के एक्टिंग की प्रशंसा की गयी तथा सबने निर्देशक नभकुमार को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी। निर्देशक नभकुमार ने श्रवण कुमार को निकट भविष्य मे अपने साथ काम करने का आश्वासन भी दिया।- संतोष साहू

आदिम कर्मचारी संघ की ओर से
मुंबई में 8 मई को नारा प्रदर्शन और 9 मई से अनशन और अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन

मुंबई। 14 दिसंबर 2022 के सरकार के निर्णय का अनुपालन नहीं करने वाले महावितरण, बिजली कंपनियों, एसटी निगम, सरकार, अर्ध-सरकारी कार्यालय, नगर निगम, नगर पालिका आदि के खिलाफ सोमवार 8 मई 2023 दोपहर 12 बजे प्रकाशगढ़/प्रकाशगंगा मुंबई में प्रकाशगढ़ के सामने, ए.के. मार्ग बांद्रा मुंबई 51 और उसी दिन दोपहर 2 बजे मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में फैमिली कोर्ट के पीछे प्रकाशगंगा के सामने नारेबाजी की जाएगी। साथ ही अगले दिन मंगलवार 9 को सुबह 11 बजे से आजाद मैदान सीएसएमटी स्टेशन के समीप आमरण/अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल एवं श्रृंखलाबद्ध भूख हड़ताल/धरना आयोजित किया जायेगा। उपरोक्त सभी कार्यालयों के अधिकांश कर्मचारियों, अधिकारियों को उपरोक्त आंदोलन में भाग लेना चाहिए। यह अपील आदिम कर्मचारी संघ के महासचिव नागोराव पराते ने की है।

पैसे कमाने के चक्कर में उड़ गए एक करोड़

मुंबई : इंटरनेट से जिंदगी जितना आसान हुई है, उतना ही उसके दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। यूट्यूब (youtube) पर वीडियो लाइक करने के चक्कर में एक युवक के अकाउंट से एक करोड़ तीन लाख रुपये गायब होने का मामला सामने आया है। मामले में वेस्ट सायबर पुलिस (cyber police) ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फोन कहाँ से आया और किसने किया इसकी जांच सायबर पुलिस कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आरोपी ने फोन कर शिकायतकर्ता को एक दिन में पांच से साथ हजार रुपये कमाने का झांसा दिया। 47 वर्षीय शिकायतकर्ता एक मकरकेटिंग कंपनी में काम करते हैं।

वज्रमूठ सभाएं रद्द नहीं: पटोले

मुंबई। एनसीपी में जारी उठापठक के बाद आशंका जताई जा रही थी कि महाविकास आघाड़ी की वज्रमूठ सभाओं का सिलसिला थम जाएगा, लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले (Nana Patole) ने स्पष्ट किया कि वज्रमूठ सभाओं को रद्द नहीं किया गया है। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए पटोले ने कहा कि राज्य में महाविकास आघाड़ी (Mahavikas Aghadi) की वज्र मूठ सभाओं को जनता का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। छत्रपति संभाजी नगर, नागपुर और मुंबई में तीन सफल वज्रमूठ सभाएं हो चुकी हैं। आगे की सभा पुणे, नासिक, कोल्हापुर और अमरावती में आयोजित की जाएंगी, लेकिन पिछले कुछ दिनों से तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। वहीं कई इलाकों में गर्मी का भी प्रकोप है, इसलिए इन सभाओं के कार्यक्रम में बदलाव पर विचार किया जा रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने साफ किया कि वज्रमूठ सभाओं को रद्द नहीं किया गया है। पटोले ने कहा कि इस मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे (Uddhav Thackeray) और एनसीपी नेताओं के साथ चर्चा की गई है और इन बैठकों को जल्द ही पुनर्निर्धारित किया जाएगा। विशेष सत्र नहीं बुलाया तो आंदोलन पटोले ने कहा कि राज्य की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल रमेश बैस (Ramesh Bais) से मिलकर विधानमंडल का दो दिनों का विशेष सत्र बुलाने की अपील की है। हमें उम्मीद है कि राज्यपाल राज्य के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस पर सहानुभूति पूर्वक विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर विशेष सत्र नहीं बुलाया गया तो हमारी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता जनता के मुद्दों को लेकर पूरे राज्य में जोरदार आंदोलन करेंगे। मुंबई की अहमियत कम करने की कोशिश कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की सरकार लगातार मुंबई और महाराष्ट्र के महत्व को कम करने की कोशिश कर रही है। मुंबई में बीकेसी स्थित अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र को गांधीनगर में स्थानांतरित कर दिया गया है। पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क कार्यालय दिल्ली में शिफ्ट किया गया है, जबकि राष्ट्रीय समुद्री पुलिस अकादमी पालघर से गुजरात के द्वारका में स्थानांतरित की गई है।

आंखों की रोशनी के लिए पत्तागोभी फायदेमंद, सेवन से हो सकते हैं ये नुकसान भी

राज के.वेगड़

री पत्तेदार सब्जियों को सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। आहार एवं पोषण विशेषज्ञ, नियमित सब्जियों के सेवन की सलाह देते हैं। सब्जियों में कई तरह के पोषण तत्व और यौगिक पाए जाते हैं, जो कई बीमारियों से बचाव करते हैं। शरीर और मस्तिष्क को पोषण की जरूरत होती है, जिसे सब्जियां पूरी कर सकती हैं। सब्जियों में औषधीय गुणों होते हैं, जो इम्यूनिटी पावर को मजबूत करते हैं। शरीर की भिन्न भिन्न व्याधियों के लिए उपयोगी ये प्राकृतिक भोज्य पदार्थ अमृततुल्य हैं। इनमें से एक औषधीय गुणों से युक्त सब्जी पत्ता गोभी है। पत्ता गोभी के सेवन के कई फायदे होते हैं। पत्ता गोभी आंखों की रोशनी के लिए, अल्सर और कैंसर में असरदार माना जाता है। लेकिन पत्ता गोभी का सही तरीके से सेवन न करने से यह नुकसानदायक हो जाता है। गले में एलर्जी, ग्लूकोज लेवल कम होने जैसे तमाम नुकसान भी हो सकते हैं।

पत्ता गोभी के सेवन से पहले इसके फायदे और नुकसान के बारे में जान लें।

पत्ता गोभी में पाए जाने वाले पोषक तत्व

पत्ता गोभी या बंद गोभी में मौजूद पोषक तत्व सेहत के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। पत्ता गोभी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते हैं, जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकार जैसे-

गैस्ट्रिटिस, पेप्टिक व डुओडेनल अल्सर, इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम में फायदेमंद है। इसमें विटामिन, मिनरल और फाइटोन्यूट्रिएंट्स भरपूर मात्रा में होता है। पत्ता गोभी में फाइबर ज्यादा और कैलोरी कम पाई जाती है।

पत्ता गोभी खाने के फायदे

पाचन और कब्ज

पत्ता गोभी पेट की समस्या में फायदेमंद है। पाचन और कब्ज से राहत दिलाता है। लाल पत्ता गोभी में एंथोसायनिन पॉलीफेनोल पाया जाता है, जो पाचन क्रिया को उत्तेजित करने का काम करता है। पत्ता गोभी में फाइबर होता है, जो पाचन में सहायक है। इसके सेवन से मन मुलायम होने से कब्ज में मदद मिलती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता

इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए भी पत्ता गोभी लाभकारी है। पत्ता गोभी में विटामिन सी भरपूर होता है, जो इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए पत्ता गोभी के जूस का सेवन कर सकते हैं।

इससे सर्दी बुखार और संक्रमण से बचाव होता है।

कैंसर में फायदेमंद

एक रिसर्च के मुताबिक, पत्ता गोभी में ब्रैसिनिन तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर के खिलाफ कीमो प्रिवेंटिव गतिविधि दर्शाते हैं। कैंसर ट्यूमर से बचाव के लिए पत्ता गोभी का सेवन कर सकते हैं। एक अन्य शोध के मुताबिक, पत्ता गोभी में एंटी कैंसर प्रभाव हो सकता है। हालांकि कैंसर के इलाज में महज पत्ता गोभी कारगर नहीं है लेकिन रोग के जोखिम को कम कर सकता है।

आंखों की रोशनी

एक रिसर्च जर्नल के मुताबिक, पत्ता गोभी में ल्यूटिन और ज़ेक्सथिन पाया जाता है। ये दोनों तत्व आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद है। आंखों की रोशनी को तेज करने के लिए भी पत्ता गोभी का सेवन कर सकते हैं।

पत्ता गोभी के नुकसान

पत्ता गोभी में रैफिनोस पाया जाता है, जिसमें चीनी की मात्रा पाई जाती है। चीनी जटिल कार्बोहाइड्रेट का एक प्रकार है। यह आंखों से गुजरता हुआ पेट में समस्या कर सकता है।

मधुमेह रोगियों के लिए पत्ता गोभी लाभकारी भी हो सकता है और नुकसानदायक भी। पत्ता गोभी का सेवन सामान्य रक्त शुगर होने पर ग्लूकोज लेवल को कम कर सकता है।

ज्यादा पत्ता गोभी का सेवन थायराइड के मरीजों के लिए समस्या कर सकता है। इसलिए उन्हें पत्ता गोभी के अधिक सेवन से परहेज करना चाहिए।

बहुत ही कम मामलों में लेकिन पत्ता गोभी के अधिक सेवन से गले में एलर्जी की शिकायत हो सकती है।

सिर्फ कैल्शियम ही नहीं इन पोषक तत्वों का भी खजाना है दूध, कई बीमारियों से रखता है दूर

चार्ल्स पटेल

बच्चों से अक्सर कहा जाता है कि दूध पीने से ताकत आती है। लेकिन ये सिर्फ बच्चों को बहलाने के लिए कही गई बात नहीं है। दूध असल में पौष्टिकता का खजाना है, जो न केवल बच्चों, बल्कि बड़ों के लिए भी फायदेमंद है। दूध को संपूर्ण आहार माना जाता है। दूध में मौजूद विटामिंस और पौष्टिक तत्व सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि दूध पीने के अपने ही फायदे होते हैं। वहीं हर उम्र के लोगों के लिए दूध लाभदायक है। चलिए जानते हैं दूध में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और दूध पीने के फायदे के बारे में।

दूध पीने के फायदे

दूध पीने से आती हैं अच्छी नींद

दूध का सेवन नींद के लिए गुणकारी होता है। सोने से पहले एक गिलास दूध पीने से अच्छी नींद आती है।

में कैलोरी, प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन-डी, विटामिन बी12 और पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो कई शारीरिक और मानसिक परेशानियों को ठीक करने में मदद करता है। दूध एक बेहतर सप्लीमेंट भी होता है। दिन और रात दोनों समय गर्म या ठंडा दरअसल, दूध में ट्रिप्टोफैन और बायोएक्टिव पेप्टाइड पाया जाता है, जो नींद को सकारात्मक तौर पर प्रभावित कर सकता है। तनाव के कारण कई लोगों को सोने की समस्या हो जाती है। दूध पीने से उनके शरीर को सभी पोषक तत्व मिलते हैं और तनाव से राहत मिलने पर नींद बेहतर आती है।

दूध से वजन होता है नियंत्रित

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, दूध पीने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और वजन भी नियंत्रित रहता है। दूध पीने से बचपन के मोटापे का जोखिम कम हो जाता है। दूध में प्रोटीन पाया जाता है जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित बनाता है। जो लोग वजन कम करने की कोशिश करते हैं उन्हें कम फैट वाले दूध का सेवन करना चाहिए। मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग महिलाओं पर किए गए एक अध्ययन के मुताबिक, डेयरी उत्पाद वजन मोटापे के खतरे को कम करने में सहायक होते हैं।

दूध से त्वचा को फायदे

चिकनी और स्वस्थ त्वचा के लिए भी रोजाना दूध का सेवन फायदेमंद होता है। दूध में विटामिन बी 12 की मात्रा पाई जाती है, जो त्वचा की सेहत को बेहतर बनाती है। ऐसे में नियमित दूध पीने से त्वचा जवान बनी रहती है। दूध में पाई जाने वाली विटामिन ए की मात्रा शरीर की नई कोशिका संरचनाओं को बढ़ावा देती है।

इससे कई तरह के त्वचा रोगों से लड़ने में भी मदद मिलती है।

दांतों और हड्डियों के लिए दूध फायदेमंद

दूध पीने से दांत और हड्डियां भी स्वस्थ बनी रहती हैं। दूध में कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, प्रोटीन और विटामिन पाए जाते हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक हैं। हड्डियों और दांतों में शरीर का लगभग 99 फीसदी कैल्शियम होता है। दूध से कैल्शियम की कमी पूरी होती है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डियों की बीमारियों से बचाव होता

सर्दी-खांसी में कौन से फल का सेवन है फायदेमंद और कौन सा बढ़ा सकता है परेशानी

महेक जोबनपुत्रा

सर्दियों का मौसम आ गया है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। ज्यादातर लोगो को सर्दी में खांसी जुकाम की शिकायत हो जाती है। खांसी होने पर खाने पीने को लेकर परहेज भी शुरू हो जाते हैं। ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए, ऐसी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए, जो खांसी की शिकायत को अधिक बढ़ा दें। खांसी के दौरान फलों के सेवन को लेकर भी कई तरह के भ्रम हैं। लोग सलाह देते हैं कि खांसी जुकाम होने पर खट्टे फल या रसीले फलों का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे खांसी की समस्या बढ़ जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि खांसी आने पर असल में कौन से फलों का सेवन करना चाहिए और कौन से फल खाने के परहेज

करना चाहिए। आइए जानते हैं खांसी जुकाम में फलों के सेवन के फायदे और नुकसान।

खांसी में कौन से फल का करें सेवन

आहार और पोषण विशेषज्ञ के मुताबिक, खांसी की समस्या में सिट्रिक फलों का सेवन करवना चाहिए। सिट्रिक फल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करते हैं। इनके सेवन से खांसी की समस्या कम होती है। ये रहे खांसी में फायदेमंद फल।

सेब

विशेषज्ञ बताते हैं कि खांसी आने पर सेब का सेवन भी कर सकते हैं।

सेब खाने से खांसी कम हो सकती है। सेब में पाएं जाने वाले औषधीय गुण वायरल इंफेक्शन को दूर करते हैं।

किवी

खांसी की शिकायत में किवी का सेवन असरदार है। किवी में विटामिन सी और ई भरपूर मात्रा में होता है, जिसका सेवन एलर्जी और इंफेक्शन को कम करता है और इम्यूनिटी पावर को बूस्ट करता है।

खांसी में न करें इन फलों का सेवन

ऐसा कोई भी फल नहीं है, जिसके खांसी के दौरान सेवन से नुकसान हो सकता है। हालांकि किसी फल से एलर्जी होती है, तो उसका सेवन न करें। ध्यान देने योग्य बात ये है कि खांसी आने पर रात या शाम के वक्त खट्टे फलों का सेवन कम करना चाहिए। इसके अलावा अगर फल फ्रिज में रखें हैं, तो उनके सेवन से बचना चाहिए।

नोट: यह लेख मेडिकल रिपोर्ट्स और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सुझाव के आधार पर तैयार किया गया है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : इस सप्ताह कर्म को प्रधानता देनी होगी। आलस्य का त्याग करें और जो काम अटका रखें हैं उन्हें पूरा करने को प्रवृत्त हों तभी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। दांपत्य जीवन में चल रहे टकराव को आपसी बातचीत से सुलझाने का प्रयास करें। नौकरी और व्यवसाय में स्थिरता रहेगी। भूमि, संपत्ति, कृषि संबंधी कार्य फंसे रहेंगे। स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है।

वृषभ : सप्ताह शुभ है किंतु कुछ कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। मन में थोड़ी झुंझलाहट रहेगी। अनिर्णय की स्थिति हो तो परिवार के वरिष्ठजनों की मदद लें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। नौकरी और व्यवसाय में मेहनत के अनुरूप ही परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति में कुछ हद तक सुधार आएगा।

मिथुन : परिवार में मतभेद, विवादित स्थिति बन सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा किंतु संतानों से टकराव रहेगा। नौकरीपेशा लोगों का कार्यस्थल पर विवाद होगा। व्यापार में ठहराव अनुभव करेंगे। भूमि, भवन, संपत्ति संबंधी कार्य मुश्किल से पूरे होंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। फंसा हुआ पैसा लौटने के योग बनेंगे।

कर्क : सप्ताह संबंधों के लिए मुश्किल भरा रहेगा। परिवार में मतभेद और बढ़ेंगे। जीवनसाथी से टकराव, माता-पिता, भाई-बहनों के बीच विवाद होंगे। आर्थिक स्थिति में किसी प्रकार की हानि हो सकती है। नया कार्य प्रारंभ न करें। नौकरीपेशा के कार्य में बदलाव आएगा। स्वास्थ्य भी गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के अंतिम दो दिन राहत भरे रहेंगे।

सिंह : परिवार में मतभेद होंगे किंतु आपको अपनी वाणी और क्रोध पर संयम रखना होगा। सम्मान और पद में कमी आ सकती है। आजीविका के नए साधन तलाशने पड़ सकते हैं। कार्य धीमी गति से होंगे। आर्थिक लाभ सप्ताह के मध्य में मिलेगा। नौकरी-व्यवसाय में मनमुताबिक उन्नति नहीं होगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा।

कन्या : अपने जीवन को संयमित रखें। परिवार के साथ तालमेल बनाकर चलने की आदत डालें अन्यथा अकेले रह जाएंगे। मानसिक परेशानी आएगी। शारीरिक रोग परेशान कर सकते हैं। संकटपूर्ण सप्ताह रहेगा किंतु सूझबूझ से राहत अनुभव करेंगे। फंसे हुए आर्थिक मामले सुलझेंगे। भूमि, संपत्ति खरीदने की ओर प्रवृत्त होंगे। पारिवारिक कार्यों से यात्राएं करनी पड़ सकती हैं।

तुला : सही समय पर निर्णय लेने की आदत विकसित करें। कार्यों को टालने की प्रवृत्ति भारी पड़ सकती है। इस सप्ताह किसी को पैसा उधार न दें वरना फिर लौटेगा नहीं। मानसिक रूप से विचलित रहेंगे। कार्यस्थल पर आपके कार्य का कम आंका जाएगा। परिवार में भी मतभेद होंगे। मित्रों से टकराव होगा।

वृश्चिक : क्रोध की प्रबलता रहेगी। आवेश में आकर कोई निर्णय न लें। किसी मुद्दे पर निर्णय नहीं ले पा रहे हैं तो परिवार के वरिष्ठजनों की सलाह लें। आर्थिक मामलों में सतर्क रहना होगा। कोई करीबी ही आपको चपत लगा सकता है। नौकरी में उन्नति प्राप्त होगी। व्यापार में नया कार्य जोड़ सकते हैं। प्रेम संबंध ठीक रहेंगे।

धनु : इस सप्ताह आप शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। इससे किसी भी परिस्थिति से लड़ने की क्षमता प्राप्त होगी। कार्यस्थल पर हो रहे टकराव भी कम होंगे और आपके कार्य को सराहना मिलेगी। व्यापार में स्थिति पहले से सुधरेगी। नए कार्य प्रारंभ करने के लिए थोड़ा और रूकें। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। अविवाहितों के विवाह की बात बनेगी।

मकर: सप्ताह सही है। जो भी कार्य सोचेंगे वे पूरे होंगे, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए जी-जान से जुटना होगा। आलस्य को हावी न होने दें। परिवार में माहौल सुधरेगा। माता-पिता और जीवनसाथी के साथ संबंधों को ठीक करने का प्रयास करें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। पुराना पैसा लौटने के योग हैं।

कुंभ : घर-परिवार में माहौल सुखद रहेगा। मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अवसरों का उचित लाभ प्राप्त होगा। नौकरी में प्रमोशन के चांस हैं। व्यापार में नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा किंतु वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग करते समय सावधानी रखें।

मीन : संबंधों में मजबूती आएगी। पारिवारिक जीवन में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। धन-संपत्ति की प्राप्ति होगी। अटका हुआ पैसा लौट आएगा। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे, पुराने मजबूत होंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। नौकरी और व्यापार में उन्नति होगी। जीवनसाथी से टकराव कम होगा। मित्रों और परिवार के साथ यात्राओं के योग बनेंगे।

चुटकुले

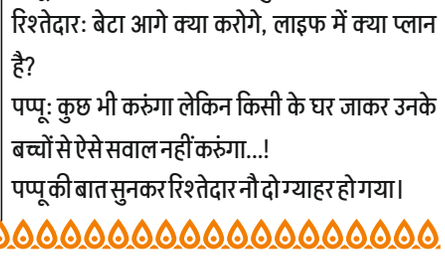

शिक्षक: MATHS का फुल फॉर्म बताओ?
चिंटू: मेरी आत्मा तुझे हमेशा सताएगी...
टीचर आज तक सोच रहा है कि लड़के ने फुल फॉर्म बताया था कि मुझे बद्दुआ दे रहा था।

पप्पू के घर में रिश्तेदार चाय पीते हुए
रिश्तेदार: बेटा आगे क्या करोगे, लाइफ में क्या प्लान है?
पप्पू: कुछ भी करुंगा लेकिन किसी के घर जाकर उनके बच्चों से ऐसे सवाल नहीं करुंगा...!
पप्पू की बात सुनकर रिश्तेदार नौ दो ग्यारह हो गया।

सीएम ने मानव-पशु संघर्ष के पीड़ितों के लिए मुआवजा राशि में वृद्धि की

ओडिशा में इंसानों और जानवरों के बीच संघर्ष के चलते जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को अब मुआवजे के रूप में चार लाख रू के बजाय छह लाख रू प्रदान किए जाएंगे। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार को मानव-पशु संघर्ष के पीड़ति परिवारों के लिए मुआवजा राशि बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि संघर्ष में एक व्यक्ति की मौत के बाद पहले चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जाती थी जिसे बढ़ाकर अब छह लाख रुपए कर दिया गया है। संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार स्थाई चोट लगने पर यदि पीड़ति 60 फीसदी तक घायल होता है तब आर्थिक सहायता एक लाख रुपए से बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपए और 60 फीसदी से अधिक घायल होने पर सहायता राशि डेढ़ लाख रुपए से बढ़ाकर ढ़ाई लाख रुपए कर दी गई है। इसके अलावा, अगर किसी पीड़ति को अस्थाई चोटें आती हैं, तो सरकारी अस्पताल में उनका मुफ्त इलाज होगा। यदि अस्पताल में उपचार एक सप्ताह से अधिक समय तक चलता है तो पीड़ति को 10,000 रुपए तथा उपचार की अवधि एक सप्ताह से कम होने पर पीड़ति को 5,000 रुपए दिए जाएंगे। वहीं, संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार पहले के 5,000 रुपए के मुकाबले अब गायों और भैंसों की मौत पर क्रमशः 37,000 रुपए तथा बैल के लिए 32,000 रुपए, बछड़ों के लिए 5,000 रुपए (2,500 रुपए के मुकाबले), बकरी या भेड़ के लिए 4,000 रुपए (2,000 रुपए के मुकाबले) और मेमने के लिए।,500 रुपए (750 रुपए के मुकाबले) की सहायता राशि दी जाएगी। इसके अलावा, अनाज की फसलों का नुकसान होने पर अनुग्रह राशि 10,000 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 20,000 रुपए प्रति एकड़ कर दी गई है जबकि वाणिज्यिक फसलों के लिए यह राशि 12,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने गढ़वा जिले को 797 करोड़ की 74 योजनाओं की दी सौगात

हेमंत सोरेन ने दो दिवसीय राजकीय श्री बंशीधर महोत्सव का किया उद्घाटन

झारखंड को खनिज -संपदा के रूप में जाना जाता रहा है, लेकिन अब पर्यटन के रूप में इस राज्य को अलग पहचान दिलाने की दिशा में हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। पर्यटक स्थलों को संरक्षित और विकसित कर रहे है। इस कड़ी में राज्य के धार्मिक स्थलों का सर्किट बनाया जाएगा। सभी प्रमुख धार्मिक स्थल इससे जोड़ें जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को हम बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा सकें। हमारी कोशिश है कि विश्व के टूरिज्म मैप पर झारखंड को भी एक अलग पहचान दिला सके। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज बंशीधर नगर, गढ़वा में दो दिवसीय राजकीय श्री बंसीधर महोत्सव का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष श्री बंशीधर महोत्सव को राजकीय महोत्सव का दर्जा मिला है। आने वाले वर्षों में इस महोत्सव को और भव्यता देने का काम करेंगे । मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपनी कला-संस्कृति और परंपरा को इतना मजबूत करना है, ताकि विपरीत परिस्थितियों में भी इसे कोई तोड़ नहीं सके। इसी सोच के साथ धार्मिक स्थलों को विकसित करने के लिए लगातार योजनाएं बना रहे हैं। राजधानी रांची में तपोवन मंदिर के विकास पर 14 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए जा रहे हैं, वहीं रांची के तमाड़ में स्थित ऐतिहासिक दिउड़ी मंदिर के विकास के लिए 7 करोड़ रुपए की योजना बन चुकी है। बहुत जल्द इस मंदिर के विकास और सुंदरीकरण की आधारशिला रखी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सिर्फ कागजों पर विकास होता था। अब धरातल पर योजनाएं उतर रही हैं। लोगों को पूरे मान-सम्मान के साथ उनका हक और अधिकार दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे सरकार की योजनाओं से जुड़े और अपने आर्थिक प्रगति के मार्ग को प्रशस्त करें। सरकार आपकी मदद के लिए हमेशा आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पूरी संवेदना के साथ कार्य कर रही है । हमने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे दिए हैं कि गरीब, दलितों, किसानों, मजदूरों, वंचितों, अल्पसंख्यकों समेत सभी समुदाय और वर्ग के हित में कार्य करें। हमारी सरकार ने सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के जरिए लाखों लोगों की समस्याओं का समाधान किया और उन्हें योजनाओं से जोड़ा गया। अब अधिकारी आपके दरवाजे पर जाकर आपकी समस्याओं को दूर कर रहे हैं और यह सिलसिला अनवरत जारी रहेगा । मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक लोग सामाजिक रूप से सुरक्षित नहीं होंगे, तब तक राज्य का सर्वांगीण विकास संभव नहीं होगा। यही वजह है कि हमारी सरकार ने यूनिवर्सल पेंशन स्कीम को लागू किया है। अब राज्य के हर बुजुर्ग विधवा परित्यक्ता और दिव्यांगों को पेंशन देने का काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सरकार की विभिन्न योजनाओं और उसकी विशेषता तथा उपयोगिता को बताया और लोगों से इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए आगे आने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा की बेहतरी के लिए सरकार कई कदम उठा रही है। इसी कड़ी में कल 80 उत्कृष्ट विद्यालयों का उद्घाटन किया गया। अब स्कूलों के बच्चे भी निजी विद्यालयों की तरह अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई कर अपना बेहतर भविष्य बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि स्कूल भवनों का जीर्णोद्धार करने के साथ-साथ पठन-पाठन से संबंधित सभी मूलभूत जरूरतें और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

प.बंगाल में भाजपा का मोयना बंद कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रहा

पूर्वी मेदिनीपुर जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, कई स्थानों पर जबरदस्ती दुकानें और बाजार बंद कराने की शिकायतें मिल रही हैं। सड़क जाम करने के लिए टायर भी जलाए गए। हमने सभी अवरोधकों को हटा दिया है। आम जनजीवन पर बंद का कोई असर नही पड़ा है।

पश्चिम बंगाल में पूर्वी मेदिनीपुर जिले के मोयना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बूथ स्तर के नेता का शव मिलने के बाद बुधवार को पार्टी का 12 घंटे का बंद कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रहा। पुलिस ने यह जानकारी दी। मोयना में भाजपा नेता बिजयकृष्ण भुनिया का शव मिला था। भाजपा ने इसे हत्या का मामला बताते हुए इसके लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि तृणमूल ने इन आरोपों को निराधार बताया है। भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा दुकानों को जबरदस्ती बंद कराने और सड़क अवरुद्ध करने की कुछ घटनाएं हुईं, लेकिन स्थानीय पुलिस ने उन्हें हटा दिया। बंद को सफल बनाने के लिए भाजपा नेता और कार्यकर्ता सुबह से ही सड़कों पर नजर आए। पूर्वी मेदिनीपुर जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, कई स्थानों पर जबरदस्ती दुकानें और बाजार बंद कराने की शिकायतें मिल रही हैं। सड़क जाम करने के लिए टायर भी जलाए गए। हमने सभी अवरोधकों को हटा दिया है। आम जनजीवन पर बंद का कोई असर नहीं पड़ा है। स्थिति नियंत्रण में और शांतिपूर्ण है। उन्होंने बताया कि लोगों को कथित तौर पर परेशान करने के लिए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और एक अन्य को हिरासत में लिया गया है। भाजपा ने दावा किया है कि भुनिया सोमवार शाम जब घर वापस लौटे तो टीएमसी के गुंडों ने उनकी पत्नी के सामने कथित तौर पर उनकी पिटाई की और फिर जबरन मोटरसाइकिल पर उन्हें लेकर चले गए। सोमवार देर रात उनके घर से कुछ दूरी पर उनका शव मिला था। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने घटना की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की।टीएमसी ने भाजपा के आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का प्रयास किया जा रहा है।

भुज-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस और भुज-बरेली एक्सप्रेस ट्रेनों की गति में वृद्धि

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद मंडल के सामाख्याली-पालनपुर सेक्शन पर ट्रेक डबलिंग कार्य पूर्ण होने से इस सेक्शन पर ट्रेन संख्या 12960 एवं 12966 भुज-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 14322 भुज-बरेली एक्सप्रेस ट्रेनों की गति में वृद्धि की जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके कारण इन ट्रेनों के परिचालन समय में सामाख्याली-पालनपुर सेक्शन पर आंशिक बदलाव होगा। जिसका विवरण निम्नानुसार है ट्रेन संख्या 12960 भुज-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 08.05.2023 से तथा ट्रेन संख्या 12966 भुज-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 05.05.2023 से भुज से 17:40 बजे के स्थान पर 17:50 बजे प्रस्थान कर 18:50 बजे गांधीधाम, 19:42 बजे भचाउ, 19:58 बजे सामाख्याली, 20:43 बजे आडेसर, 21:41 बजे राधनपुर, 22:13 बजे दियोदर पहुंचेगी। अन्य सभी स्टेशनों पर आगमन-प्रस्थान का समय यथावत रहेगा। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 14322 भुज-बरेली एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 06.05.2023 से भुज से 17:55 बजे के स्थान पर 18:05 बजे प्रस्थान कर 18:39 बजे अंजार, 18:50 बजे आदिपुर, 19:15 बजे गांधीधाम, 20:02 बजे भचाउ, 20:27 बजे सामाख्याली, 21:43 बजे सांतलपुर, 22:20 राधनपुर बजे पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि अन्य सभी स्टेशनों पर आगमन-प्रस्थान का समय यथावत रहेगा। यात्री कृपया ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट का अवलोकन करें।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मध्य प्रदेश में छिड़ी जुबानी जंग

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र में बजरंग दल के खिलाफ निर्णायक कार्वाई के वादे को लेकर मध्य प्रदेश में भाजपा एवं कांग्रेस के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। भाजपा नेता व प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ की हनुमान भक्ति पर सवाल उठाया है। मिश्रा ने बुधवार को इस बारे में कमलनाथ को एक पत्र लिखा और मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया, तुष्टिकरण की राजनीति के लिए कांग्रेस किसी भी हद तक जा सकती है। इसके जवाब में कमलनाथ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय भी कह रहा है कि नफरत फैलाने वालों के खिलाफ कार्वाई होनी चाहिए। कांग्रेस ने 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को जारी अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा कि कांग्रेस जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले बजरंग दल और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) जैसे व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ कड़ी और निर्णायक कार्वाई करने को प्रतिबद्ध है। इसमें कहा गया है कि कार्वाई में ऐसे संगठनों के खिलाफ प्रतिबंध भी शामिल होगा। बजरंग दल एक दक्षिणपंथी हिंदू संगठन है जिसका प्रतीक चिन्ह भगवान हनुमान हैं। वहीं, बजरंग भगवान हनुमान का दूसरा नाम है। मिश्रा ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली कांग्रेस ने कर्नाटक के चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना पीएफआई करके ओर बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात कर करोड़ों हिंदुओं और राम भक्तों की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। उन्होंने सवाल किए, स्वयं को हनुमान भक्त बताने वाले कमलनाथ को बताना चाहिए कि वह अपनी पार्टी के निर्णय के पक्ष में हैं या विपक्ष में। साथ ही कमलनाथ आप यह भी बताएं कि दिग्विजय सिंह के बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने वाले ट्वीट से सहमत हैं या नहीं? मुझे उम्मीद है कि हनुमान भक्त होने के नाते आप मेरे पत्र का उत्तर जरूर देंगे। कर्नाटक के घोषणापत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के वादे को क्या मध्य प्रदेश के चुनावी घोषणापत्र में भी शामिल किया जाएगा।

यूपीएससी ने भर्ती परीक्षा कराने का अरुणाचल सरकार का अनुरोध ठुकराया

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने अरुणाचल प्रदेश में ग्रुप ए और बी के पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित करने का राज्य सरकार का अनुरोध खारिज कर दिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार ने यूपीएससी से अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) के पुनर्गठन और कार्यात्मक होने तक ग्रुप ए और बी के खाली पदों के लिए राज्य की भर्ती नीति के अनुरूप परीक्षा आयोजित करने का अनुरोध किया था। राज्य सरकार के अनुरोध का जवाब देते हुए यूपीएससी ने हाल ही में राज्य के मुख्य सचिव को एक पत्र लिखकर कहा है कि नियमों के मुताबकि जब राज्य में एक विधिवत गठित लोक सेवा आयोग काम कर रहा हो तो ऐसा करने (यूपीएससी द्वारा परीक्षा आयोजित करने) की अनुमति नहीं है। एपीपीएससी की ओर से आयोजित सहायक अभियंता (सिविल) परीक्षा में प्रश्न-पत्र लीक घोटाले के मद्देनजर आयोग के एक सदस्य को छोड़कर इसके अध्यक्ष निपो नबाम एवं अन्य सभी सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया है। यूपीएससी ने पत्र में उल्लेख किया है कि एपीपीएससी अभी भी आयोग के एक सदस्य के साथ काम कर रहा है। उल्लेखनीय है कि यह कानून का एक स्थापित सिद्धांत है कि संवैधानिकावैधानिक प्रावधान के तहत एक मनोनीत प्राधिकार को प्रदत्त जिम्मेदारी का निर्वहन केवल उसी प्राधिकार द्वारा किया जाना चाहिए, न कि किसी अन्य द्वारा। राज्य प्रशासनिक सुधार सचिव अजय चगती ने कहा कि चूंकि यूपीएससी ने परीक्षा आयोजित करने से इनकार कर दिया, इसलिए एपीपीएससी के अध्यक्ष और तीन सदस्यों की नियुक्ति के लिए एक विज्ञापन जारी किया गया है। राज्य सरकार ने ऑल न्यिशी स्टूडेंट्स यूनियन (एएनएसयू) और पैन अरुणाचल ज्वाइंट स्टीयरिंग कमेटी (पीएजेएससी) की मांग पर भर्ती परीक्षा कराने के लिए यूपीएससी को पत्र लिखा था। उल्लेखनीय है कि कथित प्रश्न-पत्र लीक होने का मामला तब सामने आया जब एक उम्मीदवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पिछले साल 26 और 27 अगस्त को हुई परीक्षा में 400 से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए थे। राज्य सरकार ने अक्टूबर में मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया था। मामले की जांच पहले राज्य पुलिस और उसके विशेष जांच प्रकोष्ठ द्वारा की गई थी।

अडाणी समूह के खिलाफ जांच की अवधि बढ़ाने की अपील का याची ने किया विरोध

अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों के भाव बढ़ाने में हेराफेरी के आरोपों की जांच पूरी करने के लिए बाजार नियामक सेबी की तरफ से छह महीने की मोहलत मांगे जाने के खिलाफ एक याची ने उच्चतम न्यायालय में गुहार लगाई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कुछ दिन पहले ही उच्चतम न्यायालय से यह अनुरोध किया है कि उसे अडाणी समूह के शेयरों को लेकर जारी जांच पूरी करने के लिए छह महीने का वक्त दिया जाए। इस जांच में लेनदेन की गड़बड़ियों और नियमों के उल्लंघन के साथ वित्तीय विवरणों को गलत ढंग से पेश किए जाने के आरोप शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने गत दो मार्च को सेबी से दो महीने में यह जांच पूरी करने को कहा था। इसके अलावा भारतीय निवेशकों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए एक समिति का भी गठन किया गया था। अमेरिकी निवेश शोध फर्म हिंडनबर्ग ने जनवरी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में अडाणी समूह पर वित्तीय धांधली और शेयरों के भाव में हेराफेरी जैसे कई गंभीर आरोप लगाए थे। इन आरोपों की विधिवत जांच के लिए उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई थी। उस जनहित याचिका को दाखिल करने वाले वकील विशाल तिवारी ने मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के साथ अर्जी लगाई जिसमें सेबी को छह महीने का वक्त दिए जाने का विरोध किया गया है। इसमें कहा गया है कि सेबी को यह मोहलत देने से जांच लंबी खिंच जाएगी और इससे अतिरिक्त देरी होगी। तिवारी ने अपनी अर्जी में कहा, वक्त दिए जाने पर जांच के दायरे में शामिल कंपनियों को महत्वपूर्ण आंकड़ों एवं तथ्यों के साथ छेड़छाड़ का मौका मिल सकता है और इससे साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की भी स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा, सेबी न्यायालय का निर्देश मिलने के पहले से ही अडाणी समूह की कंपनियों की गतिविधियों की जांच कर रहा था।

सेक्शनल क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए मिर्जा और आजरा स्टेशनों के बीच दोहरी लाइन चालू

पू. सी. सर्किल के रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) शुभमय मित्रा ने बुधवार को मिर्जा और आजरा स्टेशनों के बीच बिछाई गई नई दोहरीलाइन का वैधानिक निरीक्षण किया। बिछाई गई इस नई द्वितीय लाइन का उपयोग अधिकतम करीब 100 कि.मी. प्रति घंटा की गति से माल परिवहन और यात्री यातायात के लिए की जाएगी। मिर्जा - आजरा का यह सेक्शन न्यू बंगाईगांव - कामाख्या वाया गोवालपारा 176 कि.मी. दोहरीकरण परियोजना का एक हिस्सा है। इस परियोजना में 60 बड़े पुल, 394 छोटे पुल, 05 रोड अंडर ब्रिज, 62 सीमित ऊंचाई वाले सबवे और 18 नए स्टेशन भवनों का निर्माण शामिल है। आजरा से मिर्जा तक इसकी लंबाई 11.35 कि.मी. है। पू.सी. सर्किल के रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने करीब 115 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से यहां गति परीक्षण किया। इस दोहरीलाइन क्षेत्र के लिए आधुनिक तकनीकों जैसे सभी वाइड बेस प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) स्लीपर्स और थिक वेब स्विच के साथ मजबूत ट्रैक संरचना का उपयोग किया गया है, जो प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपरों पर मजबूत स्विच का नया डिजाइन है और उच्च गति को संभाल सकता है। उल्लेखनीय है कि दोहरीलाइन बिछाये जाने से स्टेशनों पर बिना स्टॉप-ओवर क्रॉसिंग के दोनों दिशाओं से ट्रेनों की आवाजाही हो सकेगी, जिससे ट्रेनों का समय पालन हो सकेगा तथा अधिकाधिक ट्रेनों को बढ़ी हुई गति से चलाया जा सकेगा। उन्होंने इससे पहले दुधनई से धूपधरा के बीच 29.71 कि.मी. सेक्शन को 24 नवंबर, 2022 को कमीशन किया गया था। न्यू बंगाईगांव-कामाख्या वाया गोवालपारा, इस समग्र सेक्शन के पूर्ण होने से पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी को काफी बढ़ावा मिलेगा।

विकास — नांदनेर को 128 करोड़ की 6 सड़क की सौगात

जन-कल्याण योजनाओं से जनता का जीवन बदलना ही लक्ष्य

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार विकास और जन-कल्याण की योजनाओं से जनता की जिंदगी बदलने का अभियान चला रही है। राज्य शासन की कृषि और किसानों के हित की योजनाओं से जहाँ कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है वहीं किसानों की आय भी दोगुनी हुई है। उपस्थित हजारों किसानों ने हाथ हिलाकर और ताली बजा कर समर्थन किया। मुख्यमंत्री चौहान सीहोर जिले के बुधनी जनपद के नांदनेर ग्राम में 128 करोड़ की लागत की 6 सड़क का भूमि-पूजन कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दर्जनों गाँव में नर्मदा नदी से लिफ्ट एरीगेशन योजना के लिए 25 करोड़ रूपये प्रदान करने और महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा स्थापित कराने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि वे आज प्रदेश के विभिन्न अंचल में करीब 2000 बेटियों के विवाह में वर्चुअल शामिल होकर आशीर्वाद देकर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नांदनेर के पास बोरना गाँव में उन्होंने मित्रों के सहयोग से पहली बार गरीब कन्याओं का विवाह करवाया था और मुख्यमंत्री बन कर उन्होंने गरीब परिवारों की बेटियों की शादी की योजना को मूर्त रूप दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना से सरकार ने बेटियों को वरदान बनाया और उनकी शिक्षा की जिम्मेदारी भी ली है। मुख्यमंत्री चौहान ने हाल ही में प्रारंभ की गई लाड़ली बहना योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने बहनों की कमजोर आर्थिक स्थिति देखी है। इसलिए बहनों को आर्थिक-सामाजिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए यह योजना लागू की। उन्होंने कहा कि जून माह की 10 तारीख से पात्र बहनों के खाते में हर माह 1000 रूपए की राशि मिलना शुरू हो जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि नांदनेर उनकी जन्म-भूमि है और मुख्यमंत्री के रूप में आपका बेटा आपका नाम दुनिया में रोशन कर रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाना ही राज्य सरकार का लक्ष्य है। आज क्षेत्र में सड़कों का जो जाल बिछा है उसे और भी सघन किया जायेगा। सिंचाई सुविधा से किसान अब मूंग की तीसरी फसल भी ले रहे हैं। सरकार ने किसानों को उनकी उपज का पूरा मूल्य देकर उनकी आय को दोगुना किया है। किसानों ने मुख्यमंत्री के इस कथन का करतल ध्वनि से समर्थन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नांदनेर में सेवा सहकारी और उचित मूल्य दुकान का भवन निर्माण, अनुसूचित जाति बस्ती में मंगल भवन और नर्मदा घाट के मरम्मत कार्य को स्वीकृत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने 2 निराश्रित बच्चों के लिए आशीर्वाद योजना से छात्रवृति स्वीकृत करने की घोषणा भी की। सांसद श्री रमाकांत भार्गव ने क्षेत्र के चहुँमुखी विकास के लिए मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

6 मई से वडोदरा व हरिद्वार के बीच ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलेगी यात्री आरक्षण प्रारंभ

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए वडोदरा से हरिद्वार के बीच ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। यह ट्रेन दिनांक 6 मई से 24 जून 2023 तक (कुल 8 ट्रिप) वडोदरा से तथा दिनांक 7 मई से 25 जून 2023 तक प्रति रविवार (कुल 8 ट्रिप) हरिद्वार से चलेगी। इस स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी इस प्रकार है। 091290/ 91302 वडोदरा -हरिद्वार - वडोदरा स्पेशल ट्रेन संख्या 09129 वडोदरा - हरिद्वार स्पेशल दिनांक 6 मई से 24 जून 2023 तक प्रति शनिवार, शाम 19:00 बजे वडोदरा से चलकर प्रति रविवार दोपहर 14:30 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09130 हरिद्वार - वडोदरा स्पेशल दिनांक 7 मई से 25 जून 2023 तक प्रति रविवार शाम 17:20 बजे हरिद्वार से चलकर प्रति सोमवार प्रात 11:25 बजे वडोदरा पहुंचेगी। मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन गोधरा, दाहोद, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, मथुरा जंक्शन, हज़रत निजामुद्दीन, गाज़ियाबाद, मेरठ सिटी मुजफ्फर नगर, टपरी व रुड़की स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में फर्सट एसी , सेकंड एसी , थर्ड एसी, स्लीपर व जनरल क्लास के कोच रहेंगे। इस ट्रेन का यात्री आरक्षण सभी कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण केंद्रों व आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है । ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

SPORTS खेल जगत

सनराइजर्स को लगा झटका, केकेआर चमका

● कोलकाता ने जीवंत रखी प्लेआफ की उम्मीदे

● हैदराबाद को 5 रनों से किया पराजित

सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना प्रदर्शन के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल के अहम मुकाबले में बृहस्पतिवार को पांच रन से जीत तोहफे में दे दी जिससे केकेआर की प्लेआफ की उम्मीदें बरकरार हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान नितिश राणा और रिंकू सिंह के बीच 61 रन की साझेदारी की मदद से विकेटों के पतझड़ के बीच नौ विकेट पर 171 रन बनाए। इसके बाद उसके गेंदबाजों ने सनराइजर्स को 20 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन पर रोक दिया।

शार्दुल ठाकुर ने 23 रन देकर और वैभव अरोरा ने 32 रन देकर दो दो विकेट लिए। वरूण चक्रवर्ती ने शानदार आखिरी ओवर डालकर टीम की जीत तय की। केकेआर की इस सत्र की यह चौथी जीत है और उसके आठ अंक हो गए हैं जबकि सनराइजर्स के छह ही अंक है और उसकी प्लेआफ में पहुंचने की उम्मीदों को इस हार से करारा झटका लगा है। सनराइजर्स जीत की ओर बढते दिख रहे थे जब कप्तान एडेन मार्करम (40 गेंद में 41 रन) और हेनरिच क्लासेन (20 गेंद में 36 रन) ने 70 रन की साझेदारी की लेकिन उनके एक के बाद एक आउट होने के बाद पुछल्ले बल्लेबाज दबाव का सामना नहीं कर सके। वहीं केकेआर की शुरूआत भी खराब थी। राणा और रिंकू के क्रीज पर उतरने के समय केकेआर का स्कोर पावरप्ले के बाद तीन विकेट पर 49 रन था। राणा 31 गेंद में 42 रन बनाकर 12वें ओवर में आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और तीन छक्के लगाए और टीम को सम्मानजनक स्कोर दिया। दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और सुनील नारायण एक बार फिर नाकाम रहे। रिंकू ने 35 गेंद में 46 रन बनाए और आक्रामक पारी खेलने की बजाय विकेट बचाकर संयम के साथ खेला। केकेआर की शुरूआत बेहद खराब रही और सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच के प्रदर्शन को दोहरा नहीं सके। अफगानिस्तान के 21 बरस के गुरबाज को दूसरे ओवर की पहली गेंद पर ही दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को जानसेन ने पवेलियन भेजा। हैरी ब्रूक ने मिडआन पर उनका कैच लपका। इसके पांच गेंद बाद वेंकटेश अय्यर भी अपना विकेट गंवा बैठे। जानसेन को हुक शॉट खेलने के प्रयास में वह चूके और गेंद हवा में उछलकर विकेटकीपर हेनरिच क्लासेन के हाथ में गई। भारत के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने दूसरे छोर से किफायती गेंदबाजी करते हुए पहले दो ओवर में सिर्फ 12 रन दिए। कार्तिक त्यागी पांचवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए और इंग्लैंड के जैसन रॉय का कीमती विकेट लिया। शॉर्ट थर्डमैन पर मयंक अग्रवाल ने उनका आसान कैच लपका।

स्कोरबोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स पारी : रॉय का अग्रवाल बो त्यागी 20,गुरबाज का बूक बो जानसेन 0, अय्यर का क्लासेन बो जानसेन 7,राणा का और बो मार्करम 42, सिंह का समद बो नटराजन 46,रसेल का नटराजन बो मार्कंडेय 24, नारायण का अग्रवाल बो कुमार।,ठाकुर का समद बो नटराजन 8, अनुकूल रॉय नाबाद 13, राणा रन आउट 0, अरोरा नाबाद 2, अतिरिक्त : आठ रन, **कुल योग** :20 ओवर मे नौ विकेट पर 171 रन,**विकेट पतन** :।-8, 2-16, 3-35, 4 -96, 5-127, 6 -130, 7-151, 8-168, 9-168,**गेंदबाजी** :भुवनेश्वर 4-0 -33-।, जानसेन 3 - 0-24-2, त्यागी 2-0-30-।, मार्करम 3-0-24-।, नटराजन 4- 0 -30-2, मार्कंडेय 4 -0 -29-।

सनराइजर्स हैदराबाद पारी : अग्रवाल का गुरबाज बो हर्षित 18, अभिषेक का रसेल बो ठाकुर 9,त्रिपाठी का अरोरा बो रसेल 20,मार्करम का सिंह बो अरोरा 41,बूक पगबाधा बो एएस रॉय,क्लासेन का रसेल बो ठाकुर 36, समद का एएस रॉय बो वरुण 21,जानसेन का गुरबाज बो अरोरा।, भुवनेश्वर नाबाद 5,मार्कंडेय नाबाद।,**अतिरिक्त** : 14 रन, कुल योग : 20 ओवर मे आठ विकेट पर 166 रन,**विकेट पतन**:।-29, 2-37, 3-53, 4-54, 5 -124, 6-145, 7-152, 8-165, **गेंदबाजी** : हर्षित 4-0- 27-।, अरोरा 3-0-32-2, ठाकुर 3-0-23-2, रसेल ।-0-15-।, रॉय 3-0-26-1 ,नारायण 2- 0-16-0, वरुण 4-0 - 20 .।

आईपीएल-16 स्टेडियम से

आरसीबी के लिए खेलने के प्रस्ताव के साथ बांगड़ के फोन कॉल ने चौंका दिया थाः जाधव

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र मे कमेंट्री कर रहे पूर्व भारतीय बल्लेबाज केदार जाधव को रॉयल चैलेजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के लिए मौजूदा सत्र मे खेलने के कोच संजय बांगड़ के फोन ने आश्चर्यचकित कर दिया था। जाधव कमेंट्री करने के साथ अपनी फिटनेस का पूरा ख्याल रख रहे थे इसलिए उन्होने इस प्रस्ताव पर हामी भरने मे देरी नही की। इस 38 साल के बल्लेबाज ने रणजी ट्रॉफी सत्र मे महाराष्ट्र के लिए अच्छी बल्लेबाजी (283 रन) की। भारत के इस पूर्व बल्लेबाज ने बांगड़ के फोन कॉल को याद करते हुए कहा, मै बिल्कुल चौक गया था। लेकिन यह सुखद था। उन्होने टीम से जारी विज्ञप्ति मे कहा, मै कमेंट्री कर रहा था और संजय भाई ने मुझे फोन करके पूछा कि मै क्या कर रहा हूं। मैने उनसे कहा कि मै कमेंट्री कर रहा हूं। उन्होने पूछा कि क्या मै अभी भी अभ्यास कर रहा हूं और मैने सकारात्मक उत्तर दिया - सप्ताह मे दो बार। बांगड़ ने फिर मुझसे मेरी फिटनेस के बारे मे पूछा, जिस पर मैने कहा कि मै नियमित रुप से जिम जाता हूं और अपने होटल मे भी इसका इस्तेमाल करता हूं। मैने संक्षेप मे उनसे कहा कि मै अच्छी स्थिति मे हूं।

केकेआर ने लिटन की जगह चार्ल्स को टीम में लिया

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाकी बचे सत्र के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास की जगह जॉनसन चार्ल्स को अपनी टीम मे शामिल किया है। लिटन दास पिछले सप्ताह पारिवारिक कारणो से बांग्लादेश लौट गए थे। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी को केकेआर ने पिछले साल उनके आधार मूल्य 50 लाख रुपए मे खरीदा था। केकेआर ने उन्हे केवल एक मैच मे अंतिम एकादश मे रखा और उसके बाद बाहर कर दिया था। जॉनसन चार्ल्स वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज है। उन्होने अब तक 41 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचो मे 971 रन बनाए है। उन्होने कुल 224 टी20 मैच खेले है जिनमे उनके नाम पर 5600 से अधिक रन दर्ज है। वह 50 लाख रुपए के आधार मूल्य मे केकेआर से जुड़ेगे।

स्टिमक ने राष्ट्रीय शिविर के लिए 41 खिलाड़ियों को चुना

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने जून मे भुवनेश्वर मे होने वाले इंटरकांटिनेटल कप से पहले राष्ट्रीय शिविर के लिए बृहस्पतिवार को 41 खिलाड़ियो को चुना। शिविर 15 मई से भुवनेश्वर मे शुरू होगा। फीफा रैंकिंग मे 101वे स्थान पर काबिज भारत का सामना लेबनान (99), वानुआतू (164) और मंगोलिया (183) से होगा।

चोटी पर पहुंचा मैनचेस्टर सिटी

मैनचेस्टर। एर्लिंग हालैड ने मैनचेस्टर सिटी की वेस्ट हैम पर 3-0 से जीत मे इस सत्र का अपना 35 वा गोल दागकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) मे नया रिकॉर्ड बनाया। नार्वे के इस 22 वर्षीय स्ट्राइकर ने 70वे मिनट मे टीम की तरफ से दूसरा गोल करके प्रीमियर लीग के एक सत्र मे सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। हालैड ने पिछले रविवार को फुलहम के खिलाफ गोल करके एलन शियरर और एंडी कोल के रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

साबले और तेजस्विन के विदेश में अभ्यास को मंजूरी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय की मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रमंडल खेलो के पदक विजेता अविनाश साबले और तेजस्विन शंकर के विदेश मे अभ्यास और प्रतिस्पर्धा मे भाग लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के तहत अमेरिका के कोलोराडो स्प्रिंग्स मे अभ्यास कर रहे साबले अब आठ दिन अभ्यास के लिए मोरक्को के रबात जाएंगे। वही तेजस्विन बहामास मे अभ्यास करेंगे जहां अमेरिकी एटीएफ थ्रो फेस्टिवल मे भाग लेगे।

भारतीय शटलरों का ध्यान भी खींचा नई स्पिन सर्व ने

नई दिल्ली। एक नई स्पिन सर्व ने दुनियाभर के बैडमिंटन खिलाड़ियो का ध्यान अपनी तरफ खींचा है और इसमे भारत के युगल खिलाड़ी भी शामिल है जो इस नए कौशल मे महारत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे है। डेनमार्क के युगल खिलाड़ी मार्कस रिंडशोज ने पिछले महीने पोलिश ओपन मे इस स्पिन सर्विस से अंक अर्जित किए और तभी से विश्व भर के खिलाड़ी इसमे अपना हाथ आजमाने की कोशिश कर रहे है।

पाकिस्तान ने तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड को हराकर श्रृंखला जीती

कराची। पाकिस्तान ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजो के शानदार प्रदर्शन से न्यूजीलैंड को तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच मे 26 रन से हराकर पांच मैचो की श्रृंखला मे 3-0 से अजेय बढ़त बनाई। सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक ने 107 गेदो पर 90 रन बनाए जबकि कप्तान बाबर आजम ने 54 रन की पारी खेली। इन दोनो ने दूसरे विकेट के लिए 108 रन की साझेदारी की। इनके अलावा रिजवान ने 32 और आगा सलमान ने 31 रन बनाए। जिससे पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर छह विकेट पर 287 रन बनाए।

पृथ्वीराज कट से चूके, भारत संयुक्त तीसरे स्थान पर

काहिरा। पृथ्वीराज तोडाइमैन ने लगातार दूसरे विश्व कप मे व्यक्तिगत पदक जीतने का मौका गंवा दिया और शॉटगन विश्व कप मे पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा मे शूटआफ मे हारकर नौवे स्थान पर रहे। इस साल की शुरुआत मे दोहा मे पहला व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पृथ्वीराज ने पांचवे और आखिरी क्वालीफिकेशन दौर मे 119 स्कोर किया। इसके बाद वह शीर्ष आठ मे प्रवेश के लिए बचे तीन स्थानो के लिए चार खिलाड़ियो का शूटआउट खेले लेकिन पहला ही निशाना चूक गए। चेक गणराज्य के तोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जिरि लिपताक ने पुरुष वर्ग मे स्वर्ण पदक जीता।

शीर्ष स्थान के लिए भिड़ेगी राजस्थान और गुजरात

● रॉयल्स और टाइटंस का मैच आज

इंडियन प्रीमियर लीग की तालिका में शीर्ष पर काबिज गुजरात टाइटंस की टीम शुक्रवार को अपने अगले मुकाबले में जब राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके घरेलू मैदान में उतरेगी तो उसे अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। हार्दिक पंड्या की अगुआई वाली यह टीम कम स्कोर वाले अपने पिछले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स से पांच रन से हार गई थी। टीम 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर है जबकि राजस्थान 10 अंक के साथ चौथे स्थान पर काबिज है। संजू सैमसन की अगुवाई वाले राजस्थान रॉयल्स में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है लेकिन टीम लगातार जीत दर्ज करने में विफल रही है। पिछले छह मैचों में टीम तीन मुकाबलों में जीती है जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के साथ समस्या गेंदबाजी में अधिक है। टीम पिछले मैच में मुंबई के खिलाफ 212 रन के बड़े लक्ष्य का बचाव करने में नाकाम रही थी। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट, ऑलराउंडर जेसन होल्डर, स्पिनर युजवेंद्र चहल और कुलदीप सेन ने उस मैच में खूब रन लुटाए थे। उन्हें शुक्रवार को घरेलू मैदान में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। रॉयल्स को इस बात से थोड़ी राहत मिल सकती है कि सत्र की शुरुआत में उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल की थी। राजस्थान की बल्लेबाजी काफी मजबूत है। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले युवा यशस्वी जायसवाल के अलावा जोस बटलर, संजू सैमसन और शिमरोन हेटमेयर की तिकड़ी अपने दम पर किसी भी मैच का पासा पलट सकती है। इस बल्लेबाजी इकाई को हालांकि मोहम्मद शमी और राशिद खान के नेतृत्व वाले गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सतर्क रहना होगा। राजस्थान की टीम अगर इस मैच को जीतती है तो टीम बेहतर नेट रनरेट (0.800) के कारण तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगी। दूसरी ओर टाइटंस के बल्लेबाजों को दिल्ली के खिलाफ लचर प्रदर्शन को पीछे छोड़ना होगा। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार लय में चल रहे शुभमन गिल और डेविड मिलर के विफल होने से टीम 130 रन के लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रही। कप्तान पंड्या ने अर्धशतक लगाकर टीम को आखिर तक मैच में बनाए रखा लेकिन उनकी और राहुल तेवतिया की तेज तर्रार पारी टीम के लिए काफी साबित नहीं हुई थी। टीम की गेंदबाजी हालांकि काफी मजबूत है जहां मोहम्मद शमी शानदार लय में है। स्पिन विभाग में राशिद और अफगानिस्तान के एक अन्य खिलाड़ी नूर अहमद शानदार प्रदर्शन कर रहे है।

अगर हम भाग्यशाली है कि डिंग लारेन को चुनौती देने के लिए हमारे पास कई खिलाड़ी हैः आनंद

कोलकाता। विश्व शतरंज चैंपियन के लिए भारत का लंबा इंतजार शायद बहुत अगले कुछ वर्षों में खत्म हो जाए क्योंकि करिश्माई भारतीय खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को उम्मीद है कि कुछ भारतीय अगले साल कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगे। मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लारेन को 2024 में अगली विश्व चैम्पियनशिप में चुनौती देने के लिए सात खिलाड़ियों के लिए जगह खाली है। उम्मीद है कि यह अगले चक्र में हो सकता है। विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज आनंद पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह इसके लिए दोबारा चुनौती पेश नहीं करेंगे। आनंद के अलावा फिडे (वैश्विक शतरंज संचालक) की शीर्ष 100 रैंकिंग में शामिल डी गुकेश, अर्जुन एरिगैसी, आर प्रज्ञानानंदा और निहाल सरीन जैसे खिलाडियों ने काफी उम्मीदें जगाई हैं। हमारे पास कई होनहार युवा हैं।

नीरज डायमंड लीग चैंपियन के तौर पर दोहा में आगाज करेंगे

डायमंड लीग चैंपियन के रूप में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शुक्रवार को होने वाली प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के पहले चरण के मुकाबले के लिए जब मैदान में उतरेंगे तो उनके सामने एक बार फिर अपने चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती होगी। इस लंबे सत्र का आगाज डायमंड लीग के दोहा चरण से हो रहा है और नीरज इसमें दमदार प्रदर्शन कर सत्र का शानदार आगाज करना चाहेंगे। विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले इस 25 साल के खिलाड़ी के सामने यहां के कतर स्पोर्ट्स क्लब में ग्रेनाडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स (सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.07 मीटर) और चेक गणराज्य के तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता याकूब वालेच (सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90.88 मीटर) जैसे खिलाड़ियों की चुनौती होगी। नीरज का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। वह 2018 में दोहा डायमंड लीग में अपनी इकलौती भागीदारी में 2018 में 87.43 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। नीरज पिछले साल समग्र फिटनेस और ताकत की कमी के कारण यहां हिस्सा नहीं ले सके थे। वह पिछले सितंबर में ज्यूरिख में 2022 ग्रैंड फिनाले जीतने के बाद डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय बने। इससे एक महीने पहले वह लुसाने में डायमंड लीग मीट जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। नीरज ने पिछले महीने कहा था कि वह उस समय शारीरिक और तकनीकी रूप से बेहतर महसूस कर रहे हैं लेकिन पिछले साल यहां की बेहद कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए सत्र के शुरुआती डायमंड लीग में शीर्ष पुरस्कार जीतना उनके लिए आसान नहीं होगा।

विश्व मुक्केबाजी : नरेन्द्र क्वार्टर फाइनल में

● शिवा थापा विश्व चैम्पियनशिप से बाहर

● गोविंद और दीपक अंतिम-16 में पहुंचे

भारत के अनुभवी मुक्केबाज शिवा थापा विश्व चैम्पियनशिप में अप्रत्याशित हार का शिकार होकर बाहर हो गए जबकि तीन अन्य भारतीय मुक्केबाज प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। शिवा (63.5 किलो) को पहले दौर में बाय मिला था लेकिन वह दूसरे दौर में ब्राजील के डोस रीस यूरी से 3 . 4 से हारकर बाहर हो गए। नरेन्द्र बेरवाल (प्लस 92 किलो), गोविंद साहनी (48 किलो) और दीपक कुमार (51 किलो) ने प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछले विश्व चैम्पियनशिप में भी क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय करने वाले नरेन्द्र ने यहां अंतिम 16 मुकाबले में ताजिकिस्तान के मुहम्मद अब्रोरिदिनोव को 4-। से हराया। एशियाई चैंपियनशिप (2022) में कांस्य पदक जीतने वाले दोनों मुक्केबाज शुरू से ही कांटे की टक्कर की टक्कर हुई। नरेन्द्र ने दमदार मुक्के लगाने के साथ अपने प्रतिद्वंद्वी के प्रहार पर अच्छे से चकमा दिया और पहले दौर में बढ़त बना ली। उन्होंने दूसरे और तीसरे दौर में भी अपना दबदबा कायम रखा। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना 2021 विश्व युवा चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता क्यूबा के फर्नांडो अरजोला से होगा। इससे पहले थाईलैंड ओपन चैम्पियन गोविंद (48 किग्रा) और 2019 एशियाई रजत पदक विजेता दीपक (51 किग्रा) ने एक जैसी जीत के साथ अपने-अपने अभियान की शुरुआत की। इस साल राष्ट्रीय खिताब जीतने के बाद 74वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल में रजत पदक जीतने वाले गोविंद ने ताजिकिस्तान के मेहरोन शफीव ने 5-0 से हराकर अपना शानदार लय जारी रखा।

मिश्रित युगल टीम फाइनल में, भारत की निगाह दांव पर लगे सभी 10 स्वर्ण पदकों पर

● एशिया कप तीरंदाज

भारतीय तीरंदाजों ने अपना दबदबा कायम रखते हुए गुरुवार को यहां एशिया कप के दूसरे चरण के विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के रिकर्व और कंपाउंड वर्ग के मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाई। भारतीय तीरंदाजों ने इस तरह से इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के सभी 10 वर्गों के फाइनल में जगह बनाई है और उसकी निगाह अब दांव पर लगे सभी स्वर्ण पदक जीतकर क्लीन स्वीप करने पर लगी है। मृणाल चौहान और संगीता की दूसरी वरीयता प्राप्त मिश्रित युगल जोड़ी ने पहले हांगकांग की टीम को सीधे सेटों में 6-0 (37-32, 34-33, 36-34) से हराया और फिर सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान को 5-4 (36-37, 36-35, 39-36, 37-39) से पराजित किया। भारत की यह रिकर्व मिश्रित युगल जोड़ी शुक्रवार को स्वर्ण पदक के मुकाबले में चीन का सामना करेगी।

अल्कराज और स्वियातेक मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में

मैड्रिड। गत चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कराज ने मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाकर यह सुनिश्चित किया कि वह शुक्रवार को अपना 20वां जन्मदिन कोर्ट पर मनाएंगे। स्पेन के इस खिलाड़ी को बुधवार को कारेन खाचनोव के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा लेकिन आखिर में वह रूस के इस खिलाड़ी को 6-4, 7-5 से हराने में सफल रहे। वह अपने जन्मदिन पर सेमीफाइनल में बोर्ना कोरिच से भिड़ेंगे। सत्रहवीं वरीयता प्राप्त कोरिच ने डेनियल अल्टमैयर को 6-3, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। महिलाओं के वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने पेट्रा मार्टिच पर 6-0, 6-3 से आसान जीत दर्ज की।

उत्तम जूनियर एशिया कप में भारतीय हॉकी टीम की अगुवाई करेंगे

बेंगलुरु। अग्रिम पंक्ति के युवा खिलाड़ी उत्तम सिंह को 23 मई से एक जून तक ओमान के सलालाह में खेले जाने वाले जूनियर हॉकी एशिया कप के लिए भारतीय टीम का कप्तान बरकरार रखा गया है। उत्तम के नेतृत्व में भारत ने पिछले साल सुल्तान जोहोर कप का खिताब जीता था। जूनियर एशिया कप दिसंबर में मलेशिया में होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा। भारत पूल ए में पाकिस्तान, जापान, थाईलैंड और चीनी ताइपे के साथ है जबकि कोरिया, मलेशिया, ओमान, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान को पूल बी में रखा गया है। उत्तम ने पिछले साल नवंबर में सुल्तान जोहोर कप में ऑस्ट्रेलिया पर 5-4 से रोमांचक जीत में शूटआउट में दो गोल किए थे। इस मुकाबलें में भारत के लिए गोल करने वाले विष्णुकांत सिंह और सुदीप चिरमाको ने भी 18 सदस्ईय टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। उत्तम ने भुवनेश्वर में भारत के विश्व कप 2021 अभियान में भी भाग लिया।

एशियाई चैंपियनशिप में मीराबाई दिखाएंगी दम

● भारत की नजर ओलंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग पर

तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू शुक्रवार से शुरू हो रही एशियाई चैंपियनशिप में एक बार फिर से भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी लेकिन इस बात की संभावना कम है कि वह स्नैच वर्ग में 90 किग्रा का भार उठाएं। राष्ट्रमंडल खेलों की दो बार की चैंपियन ने दिसंबर में विश्व चैंपियनशिप में अपने पिछले मुकाबले में 200 किग्रा (87 किग्रा 113 किग्रा) के समग्र प्रयास के साथ रजत पदक जीता था। यह उनके 207 किग्रा (88 किग्रा 119 किग्रा) के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ से काफी कम था और पूर्व विश्व चैम्पियन भारोत्तोलक इस बार भी 49 किग्रा वर्ग में अपनी पूर्ण क्षमता का परीक्षण करने से बचना चाहेंगी। भारतीय टीम के मुख्य कोच विजय शर्मा ने कहा, मीरा को यहां सिर्फ भाग लेना है। हम अभी चीजों को सरल तरीके से ले रहे है। वह सिर्फ भाग लेंगी और 85 किग्रा (स्नैच) तथा 110 किग्रा (क्लीन एंव जर्क) भार उठाएंगी। वह इस भार को आसानी से उठा लेंगी। ओलंपिक में अभी लगभग एक साल का समय बचा है और एशियाई खेलों का आयोजन सितंबर में होगा। ऐसे में मणिपुर की यह खिलाड़ी सही समय पर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल करना चाहती है। मीराबाई ने पिछली बार इस स्पर्धा में 2021 में भाग लिया था।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला झटका नहीः पहलवान

● हमारे पास सारे विकल्प खुले है

उच्चतम न्यायालय द्वारा उनकी याचिका पर सुनवाई बंद करने के बाद प्रदर्शनकारी पहलवानों ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह उनके लिए झटका नहीं है और वे प्रदर्शन जारी रखेंगे। पहलवानों ने कहा कि उनके लिए सारे विकल्प खुले हैं और वे बड़ों से सलाह लेकर तय करेंगे कि निचली अदालत में जाना है या उच्च न्यायालय में। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पहलवान 23 अप्रैल से धरने पर बैठे हैं। उनका आरोप है कि डब्ल्यूएफआई प्रमुख ने एक नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया है।उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को तीन महिला पहलवानों की याचिका पर कार्यवाही बंद कर दी जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। उच्चतम न्यायालय ने इससे पहले इस बात का संज्ञान लिया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और सात शिकायतकर्ताओं को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की गई है। विनेश फोगाट ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा , उच्चतम न्यायालय ने जो कुछ किया, हम तहेदिल से आभारी हैं क्योंकि पुलिस ने छह दिन में प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की थी। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद ही प्राथमिकी दर्ज की गई। हम उच्चतम न्यायालय के फैसले को मानेंगे। अगर अभी कुछ नहीं होता है तो हमारे पास कई विकल्प है। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा है कि हम दिल्ली उच्च न्यायालय जा सकते हैं। अगर हमारी मांग पर त्वरित कार्वाई नहीं की गई तो हम वह भी कर सकते हैं। यह पूछने पर कि क्या यह फैसला उनके लिए झटका है , विनेश ने ना में जवाब दिया। बिल्कुल नहीं। हमें पता था कि उच्चतम न्यायालय के हाथ में क्या है। सभी के हाथ बंधे हुए हैं क्योंकि देश संविधान से चलता है, प्रदर्शन से नहीं। प्रदर्शन से संविधान नहीं बदला जा सकता। अदालत कभी किसी की गिरफ्तारी का आदेश नहीं देती। वह अधिकार पुलिस को है। ऐसा मत सोचो कि न्यायालय के इस फैसले से हमारा मनोबल गिरा है। किसी को गिरफ्तार करना न्यायालय का काम नहीं है। न्यायालय ने अपना काम कर दिया है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से प्राथमिकी दर्ज करने को कहा है। धरना जारी रहेगा और मांगे वही है। दिल्ली उच्च न्यायालय जाने के बाद भी अगर दिल्ली पुलिस कोताही बरतती है तो हम उच्चतम न्यायालय फिर जा सकते हैं। इससे पहले दिल्ली पुलिस के खराब व्यवहार से आहत प्रदर्शनकारी पहलवानों ने अपने पदक और पुरस्कार सरकार को लौटाने की धमकी देते हुए कहा कि अगर उनका इस तरह से अपमान किया जाता है तो फिर इन पुरस्कारों का कोई मतलब नहीं है।

पुलिस ने धरना स्थल पर पहलवानों का प्रवेश रोका

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को उस स्थान पर पहलवानो का प्रवेश रोक दिया जहां वे भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठे थे। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने यहां जंतर मंतर पर प्रेस कांफ्रेंस की लेकिन पुलिस ने पहलवानो को धरना स्थल पर प्रवेश नही करने दिया। विनेश की चचेरी बहन और पूर्व विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता तथा 2010 राष्ट्रमंडल खेलो की स्वर्ण पदक विजेता गीता फोगाट ने ट्वीट किया कि उन्हे और उनके पति को पुलिस ने हिरासत मे ले लिया है।

आगे खिसकी 'जवान' की रिलीज डेट?

इस साल फिल्म पठान के जरिए दमदार अंदाज में कमबैक करने वाले शाहरुख खान अब अपनी अगली फिल्म जवान को लेकर चर्चा में हैं। शाहरुख खान की इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। मगर, ऐसी संभावना है कि इस फिल्म के लिए शायद दर्शकों को थोड़ा और इंतजार करना पड़े। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है। बता दें कि फिल्म जवान का निर्देशन एटली कर रहे हैं। उनके साथ शाहरुख खान की यह पहली फिल्म है। इस फिल्म की रिलीज के लिए दो जून की तारीख तय की गई। हालांकि, अब सामने आ रहीं खबरों के मुताबिक रिलीज डेट बदल दी गई है और यह फिल्म दो जून के बाद ही रिलीज होगी। ऐसा दावा किया जा रहा है कि शाहरुख खान की जवान अब दो जून नहीं, बल्कि 29 जून 2023 को रिलीज होगी। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट में हुए बदलाव की इन खबरों की अभी किसी ने पुष्टि नहीं की है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अगर यह यह फिल्म 2 जून को रिलीज के लिए तैयार है तो मई के पहले वीक में इसका टीजर, ट्रेलर आ गए होते। साथ ही प्रमोशनल इवेंट भी शुरू हो जाने चाहिए थे। इस बीच फिल्म के प्रोडक्शन हाउस ने भी इस बारे में चुप्पी साध रखी है, जिससे रिलीज डेट में बदलाव की अफवाहों को और हवा मिल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स की नजर अब 29 जून पर टिकी है। इससे फिल्म को बकरी ईद की छुट्टी और फिर वीकेंड का भरपूर फायदा मिल सकता है। बता दें कि इस फिल्म में शाहरुख खान के अलावा नयनतारा, विजय सेतुपति, सान्या मल्होत्रा जैसे सितारे भी नजर आएंगे। जवान के अलावा शाहरुख खान की झोली में फिल्म डंकी भी है।

कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी कटरीना कैफ?

कार्तिक आर्यन इस समय बॉलीवुड में सबसे अधिक मांग में रहने वाले अभिनेता हैं। उन्होंने 'भूल भुलैया 2' जैसी हिट फिल्मों में अपनी अभिनय क्षमताओं को साबित किया है और अब फिल्म निर्माता कबीर खान की आगामी परियोजना में अभिनय करने के लिए तैयार हैं, जिसकी शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी। अफवाहों की मानें तो कटरीना कैफ को फिल्म की लीडिंग लेडी माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि कबीर खान निर्देशित फिल्म में कार्तिक आर्यन एक पूर्ण एक्शन हीरो की भूमिका निभाएंगे। एक सूत्र ने कहा, कार्तिक ने अभी तक कोई आउट एंड आउट एक्शन नहीं किया है। कबीर और उन्होंने एक शानदार एक्शन-रोमांस प्लॉट पर समझौता कर लिया है, जो वर्तमान में प्रगति पर है।

नवीनतम घटनाक्रम में कैटरीना कैफ को फिल्म में भूल भुलैया 2 अभिनेता के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए माना जाता है। प्रोडक्शन हाउस को एक ऐसे को-स्टार की तलाश है, जिसने पहले कार्तिक के साथ काम नहीं किया हो। इस लिस्ट से कृति सेनन और कियारा आडवाणी इस लिए पहले ही बाहर हैं। ऐसा माना जाता है कि, फोन भूत में, सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर के साथ नायिका की भूमिका निभाने की उनकी कोशिश विफल रही और कैटरीना को खेल में वापस आने की जरूरत है। कार्तिक आर्यन को हाल ही में कृति सेनन के साथ फिल्म शहजादा में देखा गया था। तस्वीर ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया। यह फिल्म पूजा हेगड़े और अल्लू अर्जुन की सुपरहिट फिल्म आला वैकुंठप्रेमुलू का आधिकारिक हिंदी संस्करण है, जो 2020 में रिलीज हुई थी। वह श्रद्धा कपूर और रणबीर कपूर की फिल्म तू झूठा मैं मक्कार में भी नजर आए थे। उन्होंने कियारा आडवाणी अभिनीत सत्यप्रेम की कथा की शूटिंग पूरी कर ली है। कैटरीना कैफ को हाल ही में सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर के साथ फिल्म फोन भूत में देखा गया था। उनकी शादी के बाद यह उनकी पहली फिल्म थी, फिर भी यह फिल्म देखने वालों को प्रभावित करने में विफल रही। इसके बाद वह सलमान खान और इमरान हाशमी के साथ टाइगर 3 में दिखाई देंगी। यह टाइगर सीरीज की तीसरी किस्त होगी। उनके संग्रह में श्रीराम राघवन और विजय सेतुपति की मेरी क्रिसमस भी है।

रश्मिका मंदाना

संग डेटिंग की अफवाह पर श्रीनिवास ने तोड़ी चुप्पी

बीते काफी समय से सोशल मीडिया पर साउथ की फेमस एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और श्रीनिवास बेलमकोंडा को लेकर डेटिंग की अफवाहें उड़ रही हैं। दोनों को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर एक साथ देखा गया था, जिसके बाद से यह अफवाहें और बढ़ रही हैं। जहां रश्मिका इन अफवाहों पर खामोश हैं, तो वहीं श्रीनिवास ने इस मामले में अपनी चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर श्रीनिवास ने इस बारे में बात की है। उन्होंने कहा है कि वह एक दूसरे को नहीं देख रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह अफवाहें कैसे और किन कारणों से सामने आने लगीं है। उन्होंने कहा कि अफवाहों निराधार हैं और वह दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। श्रीनिवास ने आगे कहा कि वह एयरपोर्ट पर एक दूसरे से टकरा गए क्योंकि वे दोनों हैदराबाद के हैं और मुंबई की यात्रा करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि वह कई बार एक दूसरे से इस तरह से टकरा चुके हैं और शायद ही एक या दो बार पैपराजी ने उन्हें एक साथ देखा हो। रश्मिका के बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा कि जब भी वह एक कमरे में होती हैं तो एक्ट्रेस हमेशा ही बहुत एनर्जी लेकर आती हैं। उन्होंने रश्मिका को एक वाइब्रेंट व्यक्ति कहा और एक्ट्रेस को अपने इस गुण को नहीं खोना चाहिए।

इसी बीच प्रभास और निर्देशक एसएस राजामौली की एक्शन थ्रिलर छत्रपति के हिंदी रीमेक के निर्माताओं ने मंगलवार को ऑफिशियल ट्रेलर का अनावरण किया है। फिल्म के हिंदी रीमेक का नाम छत्रपति है और यह श्रीनिवास की बॉलीवुड की डेब्यू फिल्म है। एक्टर सीता, अल्लुडू अधर्स, कवचम जैसी कई फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वी.वी के निर्देशन में बनी विनायक, फिल्म 12 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अपनी एक्स के साथ कैसा रिश्ता रखना चाहते हैं नागा चैतन्य?

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार नागा चैतन्या का बॉलीवुड डेब्यू बेशक फीका रहा हो, लेकिन अभिनेता की निजी जिंदगी अक्सर चर्चा का विषय बनी रहती है। किसी जमाने में स्टार कपल के रूप में देखे जाने वाले नागा चैतन्य और सामंथा रुथ प्रभु ने अब अपनी राहें जुदा कर ली हैं। लेकिन दोनों अभी भी आए दिन अपने रिश्ते और तलाक के बारे में मीडिया के सामने खुलकर बात करते नजर आते हैं। जहां सामंथा पहले ही साफ कर चुकी हैं कि नागा चैतन्य से उनकी शादी बहुत बड़ी गलती थी, वहीं अब अभिनेता ने खुलासा किया है कि उन्हें उनकी एक्स के साथ दोस्ती करना कैसा लगता है। अभिनेता नागा चैतन्य ने हाल ही में एक यूट्यूब शो में शिरकत की थी। इस शो में अभिनेता ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में खुलकर बात की। शो में नागा को अपने रोमांटिक रिलेशनशिप के बारे में भी बात करते सुना जा सकता है। हालांकि, नागा चैतन्य ने किसी का भी नाम नहीं लिया। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, सामंथा रुथ प्रभु से अलग होने के बाद अभिनेता शोभिता धुलिपाला को डेट कर रहे हैं। दोनों ही अपने रिश्ते पर चुप्पी साधे हुए हैं। लेकिन इस इंटरव्यू में नागा चैतन्य ने साफ कर दिया है कि उन्हें अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड्स से दोस्ती रखनी कुछ खास पसंद नहीं है। इंटरव्यू में एक समय ऐसा आया जब नागा चैतन्य से उनकी एक एक्स गर्लफ्रेंड के बारे में बात की गई। अभिनेता से पूछा गया कि आप दोनों के बीच में चीजें ठीक नहीं रही, लेकिन आपकी गर्लफ्रेंड ने राहें अलग करने के बाद दोस्ती का हाथ आगे बढ़ाया था। सवाल पूरा होने से पहले ही नागा चैतन्य ने बीच में ही रोकते हुए कहा कि, उन्हें यह तरीका बिल्कुल पसंद नहीं है। अभिनेता ने कहा, हम अच्छे दोस्त हो सकते हैं।

यह वह बात है, जो मुझे सबसे ज्यादा परेशान करता

शाहरुख खान के सर चढ़ा पठान की सफलता का घमंड!

शाहरुख खान हाल ही में राजकुमार हिरानी की डंकी की शूटिंग में व्यस्त थे।अभिनेता, तापसी पन्नू और कलाकारों के साथ फिल्म का शेड्यूल पूरा करने के लिए कश्मीर रवाना हो गए थे। वह अब अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर मुंबई वापस आ गए हैं। शाहरुख को 3 मई को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। ऑनलाइन शेयर किए गए एक वीडियो में, सुपरस्टार ने एक फैन का फोन फ्लिक कर दिया, ये तब हुआ जह फैन शाहरुख खान के साथ सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था। वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर आया इसे नेटिज़न्स से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। डंकी के लिए शाहरुख खान ने पहली बार राजकुमार हिरानी और तापसी पन्नू के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म की शूटिंग कश्मीर में जोरों से चल रही थी। शाहरुख 27 अप्रैल को अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए जम्मू-कश्मीर में पुलवामा जिले की अवंतीपोरा तहसील के पंजगाम गांव पहुंचे। अपने तीन दशक के फिल्मी करियर में यह पहली बार है जब उन्होंने कश्मीर घाटी में शूटिंग की है।

वह मुंबई वापस आये पपराज़ी द्वारा हवाई अड्डे पर उन्हें देखा गया। कई फैन्स ने तो उन्हें तस्वीरों के लिए घेर भी लिया। जैसे ही शाहरुख एयरपोर्ट के एग्जिट गेट से बाहर निकल रहे थे, उन्होंने गलती से एक फैन का फोन फ्लिक कर दिया, जो उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था। उनके बॉडीगार्ड ने फैन को पीछे धक्का भी दिया। वीडियो में, हम प्रशंसकों को शाहरुख खान का नाम चिल्लाते हुए सुन सकते हैं क्योंकि वह अपनी कार की ओर चलते हैं। अभिनेता पूरी तरह से काले रंग की पोशाक में दिखे और अपने प्रशंसकों को हाय भी कहा। हालांकि, फैंस इससे बहुत खुश नहीं थे। एक नेटिजन ने कमेंट किया, फैन एक एयरपोर्ट स्टाफ है, उसने उसे छुआ भी नहीं है और शाहरुख ने उसे इतनी बुरी तरह से बेइज्जत किया। यह सेलेब्स के असली चेहरे को दिखाता है, सभी एटीट्यूड और नकली लोगों से भरा हुआ है। एक अन्य ने लिखा, मत भूलना शाहरुख हम प्रशंसकों की वजह से आज तुम यहां तक हो वरना हाहाहाहा।

पांच घंटे का सफर तय कर रकुल से मिलने पहुंचा उनका जबरा फैन

बॉलीवुड स्टार्स हो या फिर साउथ के कलाकार, इन सभी के देश और दुनिया भर में लाखों की संख्या में फैंस हैं। ये फैंस अपने फेवरेट स्टार्स से मिलने के लिए अक्सर ही कोशिश करते हुए दिखाई देते हैं। बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह के एक फैन की अलग ही तरह की दीवानगी देखने को मिली है। एक्ट्रेस के हैदराबाद पहुंचने पर उनसे मिलने के लिए कई फैंस की भीड़ उमड़ गई थी। इस दौरान उनका खास फैन पांच घंटे का सफर तय करके एक्ट्रेस से मिलने के लिए पहुंचा था। एक्ट्रेस को इस बारे में जब जानकारी हुई तो वह काफी ज्यादा हैरान हो गई थीं। एक्ट्रेस की उनके फैन के साथ एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

फैन ने ट्विटर पर साझा की तस्वीर

एक्ट्रेस के फैन अब्दुल नवीद ने अपने ट्विटर अकाउंट पर तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा है- हेलो रकुल प्रीत मैम मैं संपर्क करने की कोशिश कर रहा हूं लेकिन आज की बातचीत के बाद लेकिन मैं आज ठीक से बात नहीं कर सका, मैम, धन्यवाद मैम यह उम्मीद देने के लिए कि अभी भी आपके साथ यात्रा करने का मौका है, आपके साथ काम करने का, मुझे आशा है कि आप करेंगे मुझसे संपर्क करेंगी। फैन के इस पोस्ट के बाद एक्ट्रेस ने भी इस पर रिएक्ट किया है। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा- कुरनूल से आने के लिए थैंक्यू, इसने मुझे बहुत खुश कर दिया।

आपको बता दें कि रकुल प्रीत जल्द ही कमल हासन की इंडियन 2 में नजर आएंगी। इसके साथ ही पावेल गुलाटी की आई लव यू में दिखाई देंगी। इन फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस के पास और भी कई प्रोजेक्ट्स हैं।

रिलीज से पहले ही सूर्या की फिल्म ने की करोड़ों की कमाई

तमिल स्टार सूर्या इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म कंगुवा की शूटिंग में व्यस्त हैं। अपनी 42वीं फिल्म को लेकर सूर्या लंबे समय से चर्चा में हैं। फैंस को इस पीरियड ड्रामा का बेसब्री से इंतजार है। इसका निर्देशन सिरुथाई शिवा करने रहे हैं। पिछले साल से ही यह फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है, जिसकी वजह से सूर्या के चाहने वालों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। फिल्म को 2024 में 10 से अधिक भाषाओं में रिलीज करने की योजना है। स्टूडियो ग्रीन और यूवी क्रिएशंस के बैनर तले बन रही कंगुवा में दिशा पाटनी भी मुख्य भूमिका में हैं। यह पहला मौका है जब दोनों कलाकार एक साथ स्क्रीन साझा करने वाले हैं। इस बीच फिल्म से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है। बताया जा रहा है कि निर्माताओं ने फिल्म के ओटीटी अधिकार बेच दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सिनेमाघरों के बाद कंगुवा हिंदी को छोड़कर सभी भाषाओं में अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जा सकेगी। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म को 80 करोड़ में ओटीटी प्लेटफॉर्म को बेचा गया है। तमिल सिनेमा का यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा सौदा है। इससे पहले दलपति विजय की आगामी फिल्म लियो के राइट्स को 120 करोड़ रुपये में नेटफ्लिक्स को बेचा गया था। सूर्या फिल्म में एक योद्धा की भूमिका निभा रहे हैं। इसकी कहानी को कथित तौर पर 16वीं सदी में सेट किया गया है। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद (डीएसपी) ने फिल्म के लिए संगीत तैयार किया। अभिनेता के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो इसके बाद वह वादिवसल नाम की फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस थ्रिलर फिल्म का निर्देशन वेत्रीमारन कर रहे हैं।

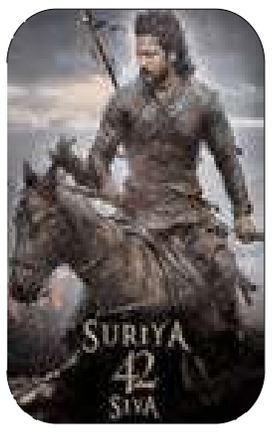

अनुसंधान के साथ ऑनर्स की स्नातक उपाधि का परिचय

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

महाराष्ट्र सरकार द्वारा हाल ही में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, 12+3 प्रारूप के तहत सभी गैर-तकनीकी कार्यक्रमों को अपने पाठ्यक्रम में एक वर्ष का अतिरिक्त अध्ययन जोड़ने और डिग्री कार्यक्रम के 12+4 प्रारूप को अपनाने का अवसर मिला है। 12+4 का लाभ यह है कि कार्यक्रम से स्नातक होने वाले छात्रों को तकनीकी कार्यक्रमों के समकक्ष माना जाएगा और उन्हें मास्टर्स कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा जिनकी प्रवेश स्तर के रूप में 12+4 की आवश्यकता है। 12+3 का वर्तमान प्रारूप नियमित रूप में छात्र को डिग्री प्रदान करेगा, जबकि एक वर्ष का जोड़ या तो 'सम्मान' या 'अनुसंधान के साथ सम्मान' का नामकरण होगा।

हाल के दिशा-निर्देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में हैं जो विभिन्न धाराओं के बीच समानता लाने का प्रयास करते हैं, जो पसंद-आधारित पाठ्यक्रम के माध्यम से बहु-विषयक सीखने की अनुमति देगा। कई संस्थानों

के प्रमुख और उद्योग विशेषज्ञ इसे तकनीकी योग्यता का एक पंथ बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में देख रहे हैं, जो कार्यक्रम के मौजूदा ढांचे में बहुत आवश्यक दक्षता लाने में योगदान दे सकता है।

विभिन्न विश्वविद्यालयों के तहत शैक्षणिक परिषद और अध्ययन बोर्ड सक्रिय रूप से बहु-विषयक कार्यक्रमों को शामिल करने के लिए लचीलेपन के साथ-साथ संशोधित क्रेडिट बिंदुओं के ढांचे और मूल्य आधारित घटक को शामिल करने और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों के लिए वेटेज को शामिल करने के लिए मौजूदा पाठ्यक्रम के पुनर्मूल्यांकन की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

कई निकास बिंदुओं और एक बहु-विषयक विकल्प आधारित पाठ्यक्रम के साथ अवसर की शुरूआत को गतिशील पाठ्यक्रम प्रदान करने की दिशा में एक अग्रणी कदम के रूप में देखा जाता है जो शिक्षार्थी को कार्यक्रम के लिए सामग्री का चयन न करके, जीवन भर शिक्षार्थी बनने के समग्र उद्देश्य को प्राप्त करने की पेशकश करता है। बल्कि सीखने की गति तय करने का अवसर भी जो सीखने के ग्राफ में बिना किसी विराम बिंदु के संवर्धन जोड़ता है।

चीन ने निरस्त किया दो भारतीय पत्रकारों का वीजा
ये दोनों पत्रकार अनेक वर्षों से चीन में कार्यरत थे

सीताराम मेवाती - बीजिंग

भारत के दो पत्रकार जो चीन में पोस्टेड थे कोरोना के बाद अपने परिवार के छुट्टी बिताने आये थे अब उनपर वापस जाने के लिए चीन सरकार ने पाबंदी लगा दी है. ये दोनों पत्रकार देश की प्रतिष्ठित मीडिया हाउस में कार्यरत हैं. अंशुमन मिश्रा भारत सरकार के प्रसार भर्ती से जुड़े हुए हैं एयर भारतीय संचार सेवा के अधिकारी हैं और विगत चार साल से चीन की राजधानी बीजिंग में कार्यरत हैं. अनन्थ कृष्णन द हिंदू समाचार पेट के संवाददाता हैं और बीजिंग में पोस्टेड हैं. चीन सरकार ने इन दोनों पत्रकारों के वीज़ा निरस्त कर दिये हैं. चीन सरकार द्वारा इनका वीजा निरस्त करने का कारण बताया जा रहा है कि भारत ने चीन में क्सिन्हुआ न्यूज़ एजेंसी के पत्रकार को वीज़ा ना देने की वजह से ये कदम उठाया गया है. चीन की विदेश मंत्रालय की जनसंपर्क अधिकारी ने अपने प्रेस वार्ता में कहा है की भारत चीन के पत्रकारों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं कर रहा जो की अनुचित है. अगर भारत सरकार हमारे पत्रकारों के साथ सही बर्ताव करेंगे तो हम इन पत्रकारों का वीज़ा बहाल कर सकते हैं. भारत के

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अपनी प्रेस वार्ता में बताया कि हम चिन के पत्रकारों से कोई भेदभाव नहीं करते और उन्हें हर जगह महत्व देते हैं. हम अपेक्षा करते हैं की चीन भी भारतीय पत्रकारों को उचित सम्मान दें.भारत के कई मीडिया घरानों और न्यूज़ एजेंसियों ने भी चीन के इस व्यवहार पर खेद जताया है और कड़े शब्दों में निंदा भी की है.एक वरिष्ठ पत्रकार ने अपना नाम ज़ाहिर ना करने की शर्त पर बताया की विश्व के दो बड़े देश भारत और चीन के पत्रकार एक दूसरे देश की आखँों देखी खबरें दिखाने और भेजने में कोई परहेज़ नहीं होना चाहिए बल्कि इसे सही ढंग से पेश करें रो दोनों देशों को फ़ायदा होगा.इन दोनों पत्रकार जो भारत आये थे चीनी अधिकारियों द्वारा सूचित किया गया था कि उन्हें चीन वापस नहीं जाना चाहिए क्योंकि उनके वीजा फ्रीज कर दिए गए हैं. इसी तर्ज़ पर भारत ने एक चीनी पत्रकार को देश छोड़ने के लिए कहा था.

भारतीय हिन्दू सेना मुंबई में भारी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग हुए शामिल

मुम्बई। भारतीय हिन्दू सेना महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रमोद सिंह की उपस्थिति में मुंबई के कांदिवली पश्चिम कार्यालय में हाकिम अंसारी के साथ भारी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुये। यह सभी लोग मालवणी क्षेत्र के निवासी बताये जा रहे हैं।महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रमोद सिंह ने हकीम अंसारी को भारतीय हिन्दू अल्पसंख्यक सेना का उत्तर मुंबई जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है।इस कार्यक्रम में उत्तर मुंबई जिला के अध्यक्ष राजेश यादव, उत्तर मुंबई जिला के उपाध्यक्ष भूपेंद्र पाटिल, अंधेरी विधानसभा महिला अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी कलहोत्रा, उत्तर पश्चिम जिला के उपाध्यक्ष श्यामजी कलहोत्रा, पालघर जिला के कार्याध्यक्ष अभिषेक सिंह और सैकडों की तादाद में लोग उपस्थित थे। सभी लोग एकजुट होकर जय भारतीय हिन्दू सेना और जय महाराष्ट्र के नारे लगाए। नवनिर्वाचित भारतीय हिन्दू अल्पसंख्यक सेना के उत्तर मुंबई जिलाध्यक्ष हकिम अंसारी ने अपनी नियुक्ति होने पर खुशी जताते हुए मीडिया से रूबरू होकर बोले कि हिन्दुस्तान में रहकर हिन्दू पार्टी का जय- जयकार नहीं बोला जायेगा तो क्या पाकिस्तान में जय जयकार बोला जायेगा।आगे हाकिम अंसारी ने कहा कि मैं मरते दम तक भारतीय हिन्दू सेना का साथ नहीं छोडूंगा, और भारतीय हिन्दू सेना का मुंबई एवं महाराष्ट्र प्रदेश में परचम लहराने में कोई कसर नहीं छोडूंगा। समाज मे दबे कुचले लोगों की आवाज बुलंद करूंगा।

आशा पारेख, अंजन श्रीवास्तव, पद्मश्री गुलाबो सपेरा सहित कई हस्तियों15वें न्यूजमेकर्स अचीवर्स अवार्ड सेसम्मानित

मुम्बई के यशवंतराव चव्हाण सभागार में कई प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति में 15वें न्यूज़मेकर्स अचीवर्स अवार्ड का आयोजन किया गया। वैदेही तमन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में फ़िल्म अभिनेत्री पद्मश्री आशा पारेख, पद्मश्री फोक डांसर गुलाबो सपेरा, वरिष्ठ अभिनेता अंजन श्रीवास्तव सहित कई अचीवर्स को सम्मान से नवाजा गया। आशा पारेख, अंजन श्रीवास्तव और रजा मुराद को लाइफटाइम अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर इम्तियाज़ जलील ने कहा कि वैदेही की कोशिशें सराहनीय है। हमारे देश की सभ्यता संस्कृति ऐसी है जहां मातापिता और गुरु का बड़ा आदर किया जाता है ऐसे में तमाम ओल्ड एज होम बंद होने चाहिए ताकि किसी बुजुर्ग को तन्हाई में अपना जीवन न गुजारना पड़े।15वें न्यूज़ मेकर्स अचीवर्स अवार्ड में आशा पारेख ने कहा, "न्यूज़मेकर्स अचीवर्स अवार्ड एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है। मैं वैदेही के प्रयासों की सराहना करती हूँ। इम्तियाज़ जलील ने सही बात कही है कि ओल्ड एज होम की जरूरत हमारे देश मे नहीं पड़नी चाहिए। मैं माता पिता को भगवान मानती हूं। सभी ओल्ड एज होम बंद होने चाहिए। कोई अगर मां बाप को वहां भेजता है तो उस बेटे की तस्वीर अख़बार में छपनी चाहिए। हम भला कैसे अपने माता पिता को वहां भेज सकते हैं।"वैदेही ने बताया कि आशा पारेख जी से जब मैंने इस अवार्ड को स्वीकार करने की गुजारिश की, उन्हें यह पता चला कि यह पुरस्कार लता मंगेशकर और आशा भोंसले को भी मिल चुका है तो वह यहां आ गईं, मैं उनका शुक्रिया अदा करती हूं।नेताजी सुभाष चंद्र बोस के ग्रैंडसन सोमनाथ बोस ने अवार्ड पाकर कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं इस परिवार में जन्मा। इसके साथ ही मेरा दायित्व भी बढ़ जाता है। अंग्रेजो ने जाति, धर्म को लेकर हमें बांटा, हमें इससे निकलना होगा। कहीं भी ओल्ड एज होम नही होना चाहिए। यह हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं है। कश्मीर से आए हुए म्युज़िक बैंड "मलंग बैंड" ने स्टेज पर परफॉर्म किया। उन्हें भी अवार्ड मिला।इस कार्यक्रम में एसिड अटैक की शिकार महिलाओं को इलाज, राशन और शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता भी की गई जिसमें मनोज बंसल ने बच्चियों की मदद की।यह अवार्ड जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को दिया गया। आशा पारेख, अंजन श्रीवास्तव, नादिरा बब्बर, गौरंगा दास, आईएएस ऑफिसर मोहम्मद एजाज़ असद, पांडुरंग पोले, डॉ सागर दैफोड़े, डॉ एलसी वर्मा, सोमनाथ बोस, लेखक जितेंद्र दीक्षित, सोशल वर्कर पवन सिंधी, अशोक कुर्मी, शिक्षाविद वंदना लुल्ला, प्रिया सिंह मेघवाल, श्रीगौरी सावंत,सुनील खंदारे, संजय सिंह (आप), एमएलए भारती लवेकर (भाजपा) और इम्तियाज़ जलील (एआईएमआईएम) को भी इस ट्रॉफी से नवाजा गया।

मेट्रो-6 के कारशेड पर फिर विवाद

लंबे विवाद के बाद मेट्रो-6 कॉरिडोर को मिली कारशेड की जमीन एक बार फिर विवादों में आ गई है। कांजुरमार्ग में कारशेड के लिए मिली करीब 15 हेक्टेयर जमीन पर सॉल्ट पैन विभाग के अधिकारी ने सर्वे का काम रोक दिया है। सर्वे का काम रुकने से एक बार फिर करीब 66 फीसदी तैयार हो चुके मेट्रो कॉरिडोर के कारशेड का काम शुरू होने से पहले ही ठप हो गया है। सॉल्ट पैन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, उनके विभाग की जमीन पर कोई कैसे सर्वे कर सकता है, इसलिए उनकी ओर से दूसरे विभाग द्वारा किए जा रहे सर्वे का रोक दिया गए है। बता दें कि सॉल्ट पैन विभाग केंद्र सरकार के अधीन आता है, वहीं कांजुरमार्ग में सर्वे का काम राज्य सरकार के अधीन आने वाले मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की ओर से हो रहा था। स्वामी समर्थ नगर से विक्रोली के बीच बने रहे मेट्रो- 6 कॉरिडोर के कारशेड निर्माण के लिए कुछ दिन पहले ही राज्य सरकार की ओर से एमएमआरडीए को कांजुरमार्ग में जमीन दी गई थी। मेट्रो-4 कॉरिडोर 50 फीसदी तैयार है। वहीं, मेट्रो-5 के पहले चरण का काम 70 फीसदी और मेट्रो-6 का 66 फीसदी काम हो चुका है, लेकिन तीनों कॉरिडोर में से किसी भी कॉरिडोर को अब तक कारशेड की जमीन नहीं मिल पाई है। ऐसे में निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी मुंबई को अगली मेट्रो कब मिलेगी, इसका जवाब किसी के पास नहीं है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।